केवल आप के लिये
गांव–गांव शहर–शहर देश दुनियां में अपनों तक पहुंचाना है तो भारतीय बस्ती दैनिक वेब www.bhartiyabasti.com और उसका छपा संस्करण सबसे बेहतर माध्यम
सम्पर्क–bhartiyabasti@gmail.com
मो0 9450567450, 9336715406

दैनिक
भारतीय बस्ती

भारतीय बस्ती
www.bhartiyabasti.com
के लिये विज्ञापन बुक कराये।
विचार, प्रचार का सशक्त माध्यम
सम्पर्क
मो0 9450567450
9336715406

भारतीय बस्ती आर्मत्रण मूल्य 2रूपया

R.N.I. 38784/81 डाक पंजीकरण सं0 B.S.T 59 बस्ती, वर्ष :46 अंक 229 मंगलवार 18 मार्च 2025 (बस्ती संस्करण) बस्ती एवं अयोध्या–फैजाबाद से एक साथ प्रकाशित पृष्ठ :4मूल्य:3.00 रुपया www.bhartiyabasti.com

एक नजर

फौजी अनूप पंचतत्व में विलीन

–भारतीय बस्ती संवाददाता–
बस्ती। दुबौलिया थानाक्षेत्र के खुशहालगंज निवासी फौजी अनूप का शव तीसरे दिन को सरयू नदी से बरामद कर लिया गया। होली के दिन स्नान करते समय नदी की तेज धारा में वह लापता हो गए थे। एनडीआरएफ की टीम ने दोपहर करीब एक बजे घटनास्थल से करीब 800 मीटर दूर शव को खोज निकाला। राजपूत बटालियन के अधिकारी भी रविवार की दुबौलिया पहुंचे। पोस्टमार्टम कराए जाने के बाद दुबौलिया के रामलीला मैदान में पार्थिव शरीर को राजपूत बटालियन के अधिकारियों व जवानों ने सलामी दी।
फौजी अनूप सिंह बीस दिन पूर्व छुट्टी लेकर घर आए थे। यहां पर उन्होंने पांच दिन अपने मकान की छत की ढलाई कराई थी। उनकी वापसी का टिकट था। अनूप सिंह का चयन वर्ष 2009 में सेना में हुआ था। इसके बाद वह राजपूत रेजीमेंट में भर्ती हुए थे। मौजूदा समय में उत्तराखंड के अल्मोड़ा स्थित 22वीं बटालियन में हवलदार पद पर तैनात थे। सोमवार को अनूप को बोर्डिंग पहुंचना था।घाट पर परिजनों को रोता–बिलखता देख हर किसी का कलेजा पसीज जा रहा था। अनूप के पिता दिनेश सिंह, बड़े भाई राहुल सिंह,पत्नी शालिनी सिंह का रो–रोकर बुरा हाल था। उनके दो मासूम बच्चे सात वर्षीय ओम सिंह व पांच साल के शिवाय के सिर से भी हमेशा के लिए पिता का साया उठ गया।

बस्ती में पड़े ओले

–भारतीय बस्ती संवाददाता–
बस्ती। जिले में शहर से लेकर ग्रामीण इलाकों में सोमवार की सुबह अचानक बदल गया। घने बादलों के बीच से हल्की बूंदाबांदी के साथ ही ओले भी पड़े। मटर के दाने बराबर ओले पड़ने से मौसम खुशनुमा हो गया। सुबह करीब नौ बजे बादल छटने के साथ ही सूर्यदेव के दर्शन भी हो गए। हालांकि बीच–बीच में बादलों की आवाजाही बनी रही।

भारत ने अमेरिका खुफिया चीफ के सामने उठाया आतंकवाद का मुद्दा

नई दिल्ली (आभा)। अमेरिकी रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के साथ अमेरिकी राष्ट्रीय खुफिया निदेशक तुलसी गबार्ड की बैठक के दौरान भारत ने अमेरिका में खालिस्तानी संगठन एसएफजे (सिख फॉर जस्टिस) द्वारा की जा रही भारत विरोधी गतिविधियों का मुद्दा उठाया। भारत ने अपनी चिंता व्यक्त की और अमेरिकी प्रशासन से इस गैरकानूनी संगठन के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने को कहा। समाचार एजेंसी एएनआई के साथ इंटरव्यू में अमेरिकी राष्ट्रीय खुफिया निदेशक तुलसी गबार्ड ने कहा कि चाहे विश्व के विभिन्न भागों में युद्ध क्षेत्रों में सेवा करना हो या वर्तमान में हमारे सामने आने वाली चुनौतियां हों, यह भगवान कृष्ण द्वारा अर्जुन को भगवद् गीता में दी गई शिक्षाएं ही हैं, जिनका मैं अपने सबसे अच्छे और सबसे बुरे समय में सहारा लेती हूं।

एनएसए अजीत डोभाल और इंटेल प्रमुखों के साथ अपनी बैठक पर अमेरिकी राष्ट्रीय खुफिया निदेशक तुलसी गबार्ड ने कहा कि यहां मेरी जो बैठकें हुई हैं, वे इस आधार पर (अमेरिकी राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री

मोदी के संयुक्त दृष्टिकोण) स्थापित हुई हैं कि हम किस प्रकार अपने संबंधों को एकीकृत और सुदृढ़ बना सकते हैं, न केवल खुफिया क्षेत्र में बल्कि वाणिज्य, व्यापार और रक्षा के क्षेत्र में भी... मैं अमेरिका–भारत साझेदारी में अवसर के अलावा कुछ नहीं देखती हूं।

राष्ट्रीय खुफिया निदेशक तुलसी गबार्ड ने भारतीय सरकारी अधिकारियों से सुना है कि यहां हमारे आर्थिक संबंधों को मजबूत करने की अधिक संभावनाएं देखने का अवसर है। जब हम टैरिफ को देखते हैं तो मुझे यह देखकर खुशी हुई कि वे इसे सकारात्मक दृष्टिकोण से देख रहे हैं, न कि केवल नकारात्मक दृष्टिकोण से।

आधिकारिक यात्रा पर भारत आई अमेरिका की राष्ट्रीय खुफिया निदेशक तुलसी गबार्ड ने सोमवार को अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा विभिन्न देशों पर लगाए जा रहे टैरिफ वार पर कहा कि इस मुद्दे पर भारत और अमेरिका के बीच शीर्ष नेतृत्व के स्तर पर सीधी बातचीत हुई है। यह समय भारत और अमेरिका के बीच आर्थिक संबंधों को मजबूत करने का बड़ा और अच्छा अवसर है।

बाबा साहब की प्रतिमा पर कालिख पोतने से रोषः सौंपा ज्ञापन, कार्रवाई की मांग

–भारतीय बस्ती संवाददाता–
बस्ती । सोमवार को भारत मुक्ति मोर्चा जिलाध्यक्ष आर.के. आरतियन के नेतृत्व में पदाधिकारियों, कार्यकर्ताओं ने जिलाधिकारी कार्यालय के समक्ष बाबा साहब की प्रतिमा पर कालिख पोते जाने के विरोध में धरना दिया। धरने के बाद डीएम को सम्बोधित ज्ञापन देकर दोषियों के विरुद्ध कार्रवाई की मांग किया गया।

ज्ञापन सौंपने के बाद मोर्चा जिलाध्यक्ष आर.के. आरतियन ने कहा कि वाल्टरगंज थाना क्षेत्र के परसा जागीर गांव में स्थित बाबा साहब की प्रतिमा पर होलिका दहन के दिन हुडदंगियों ने बाबा साहब की प्रतिमा पर कालिख पोत दिया। पुलिस प्रशासन मामले में लापरवाही बरत रही है। अभी तक न तो मामले में मुकदमा दर्ज हुआ न कोई कार्रवाई की गई। गनेशपुर के चौकी इंचार्ज ने भी मामले में लापरवाही बरती । मांग किया कि चौकी इन्चार्ज के विरुद्ध कार्रवाई, निलम्बन के साथ ही बाबा साहब की प्रतिमा की सुरक्षा कराया जाय और अम्बेडकर पार्क से छूटी जमीन की पैमाइश कराकर अम्बेडकरवादी ग्रामीणों को सौंपा जाय। पूर्व लोकसभा प्रत्याशी ठाकुर प्रेमनन्दबंशी ने कहा कि जनपद में बाबा साहब की अनेक प्रतिमाओं के साथ लगातार छेड़छाड किया जा रहा है। दलित, पिछड़े और अल्पसंख्यकों का उत्पीड़न बढ़ा है। ऐसे में यदि इसे रोका न गया तो निर्णायक आन्दोलन किया जायेगा।

पूर्व सांसद फूलनदेवी पर अभद्र टिप्पणी से रोष, निषाद पार्टी ने फूंका पुतला

–भारतीय बस्ती संवाददाता–
बस्ती । सोमवार को निषाद पार्टी के प्रदेश सचिव दीपू निषाद और जिलाध्यक्ष अशोक निषाद के नेतृत्व में पार्टी नेताओं, कार्यकर्ताओं ने शास्त्री चौक पर पूर्व सांसद फूलनदेवी पर अभद्र टिप्पणी किये जाने के विरोध में डॉ. आशीष द्विवेदी और शुभांकर मिश्रा का पुतला फूंका। प्रदेश नेतृत्व के आवाहन पर किये गये विरोध प्रदर्शन के बाद पुलिस अधीक्षक को ज्ञापन भेजा गया। मांग किया गया है कि पूर्व सांसद फूलनदेवी पर अभद्र टिप्पणी किये जाने के विरोध में डॉ. आशीष द्विवेदी और शुभांकर मिश्रा के विरुद्ध मुकदमा पंजीकृत कर कड़ी कार्रवाई की जाय।

ज्ञापन देने के बाद निषाद पार्टी के प्रदेश सचिव दीपू निषाद, जिलाध्यक्ष अशोक निषाद और महिला मोर्चा जिलाध्यक्ष मनीषा निषाद ने कहा कि फूलनदेवी निषाद समाज की आत्म सम्मान और प्रेरणा श्रोत हैं। निषाद समाज उनका अपमान किसी कीमत पर स्वीकार्य नहीं करेगा।

-दोषियो पर मुकदमा दर्ज कर गिरफ्तारी की मांग

इसी कड़ी में जिलाधिकारी के माध्यम से मुख्यमंत्री को भेजे एक अन्य ज्ञापन में मांग किया गया है कि शासनादेश के अनुरूप निषाद समाज के सम्बंधित जातियों को पिछड़ी जाति के स्थान पर अनुसूचित जाति का प्रमाण पत्र निर्गत किया जाय।

पुतला फूंकने और ज्ञापन देने वालों में मुख्य रूप से निषाद पार्टी के संगठन जिलाध्यक्ष संदीप निषाद, शिवशंकर श्रीवास्तव, जगराम निषाद, मानू निषाद, धर्मराज निषाद, यमुना निषाद, ज्ञान प्रकाश, अजय निषाद, माधुरी निषाद, सी.पी. निषाद, रामपाल निषाद, वृजमोहन निषाद, मनोज निषाद, बरखा निषाद, किरन निषाद, विष्णु निषाद, सुभाष निषाद, दिनेश वर्मा, सोहन लाल निषाद, हरि प्रसाद साहनी, सुखदेव निषाद, राम अचल निषाद, धनपत निषाद, हृदय लाल के साथ ही निषाद पार्टी के अनेक पदाधिकारी, कार्यकर्ता शामिल रहे।

संभल में मस्जिद, 33 मकानों पर चल सकता है बुलडोजर

संभल (आभा)। संभल में सरकारी जमीन पर बने मस्जिद और मकानों को लेकर प्रशासन सख्त हो गया है। डीएम के मुताबिक चंदौसी कस्बे में नगर पालिका की जमीन पर अवैध रूप से बनी मस्जिद और 33 मकानों को कानूनी प्रक्रियाओं के अनुसार गिराया जा सकता है। सोमवार को एक वरिष्ठ अधिकारी ने यह जानकारी दी।

मुगलकालीन शाही जामा मस्जिद के न्यायालय द्वारा आदेशित सर्वेक्षण के विरोध में पिछले साल 24 नवंबर को हुए दंगों के बाद से संभल जिले में तनाव है। एक याचिका में दावा किया गया था कि यह एक प्राचीन हिंदू मंदिर का स्थल है, जिसके बाद से मस्जिद एक बड़े विवाद का केंद्र बन गई है। झड़पों में चार लोगों की मौत हो गई और पुलिसकर्मियों सहित कई अन्य घायल हो गए। तहसील दिवस पर निरीक्षण के दौरान संभल के जिला मजिस्ट्रेट राजेंद्र पेंसिया ने चंदौसी नगर परिषद के अंतर्गत वारिस नगर में नगर निगम की जमीन का दौरा किया और संपत्ति पर अनधिकृत निर्माण पाया।

संभल डीएम ने कहा, ध्यह जमीन नगर परिषद की है। बिना किसी स्वामित्व के अवैध रजिस्ट्री की गई। 33 घरों और एक मस्जिद सहित कुल 34 संरचनाओं का अवैध रूप से

निर्माण किया गया है। यह मामला कुछ समय से तहसीलदार द्वारा सत्यापन के अधीन था और रिपोर्ट पहले उप–विभागीय मजिस्ट्रेट यानी एसडीएम को सौंपी गई थी।

उन्होंने कहा, तहसील दिवस के दौरान, हमने व्यक्तिगत रूप से दो साइटों का दौरा किया, जिनके खिलाफ शिकायतें की गई थीं। हमने इस स्थान का निरीक्षण किया।

सम्पूर्ण समाधान दिवस में 6 मामले निस्तारित

–भारतीय बस्ती संवाददाता–
बस्ती । जिलाधिकारी रवीश गुप्ता की अध्यक्षता में तहसील बस्ती सदर में सम्पूर्ण समाधान दिवस का आयोजन हुआ। सम्पूर्ण समाधान दिवस में जिलाधिकारी ने विभिन्न विभागों से जुड़ी शिकायतों को एक–एक कर सुनते हुए मौके पर उपस्थित सम्बंधित विभागीय अधिकारियों को जनशिकायतों को निर्धारित समय सीमा के अन्तर्गत निस्तारण के लिए निर्देशित किया। उन्होने कहा कि शिकायतकर्ताओं से अधिकारी सहजता से बात करें, उनकी समस्याओं को गंभीरता से सुने और स्थलीय मौका देखकर गुणवत्तापूर्ण व समय समस्याओं का निस्तारण करें।

उप जिलाधिकारी शत्रुघ्न पाठक ने बताया कि सम्पूर्ण समाधान दिवस में कुल 45 मामलें प्राप्त हुए, जिसमें से 06 का मौके पर निस्तारण किया गया। इसमें राजस्व विभाग 15, पुलिस 09, विकास 07, चकबन्दी 04, पूर्ति 03 तथा अन्य के 07 मामलें आये। सम्पूर्ण समाधान दिवस में सीएमओ डा. राजीव निगम, डीडीओ अजय सिंह, डीएफओ जयप्रकाश, मत्स्य अधिकारी संदीप वर्मा, पिछड़ा वर्ग कल्याण अधिकारी रेखा गुप्ता, जिला समाज कल्याण अधिकारी श्रीप्रकाश पाण्डेय, जिला कार्यक्रम अधिकारी राजेश कुमार, ईओ नगरपालिका सुनिष्ठा सिंह, क्षेत्राधिकारी पुलिस सत्येन्द्र भूषण तिवारी, तहसीलदार तथा जिला स्तरीय अधिकारीगण उपस्थित रहे।

पुरानी रंजिश में दलित परिवार को मारा पीटाः एसपी से लगाया न्याय की गुहार

–भारतीय बस्ती संवाददाता–
बस्ती । मुण्डेरवा थाना क्षेत्र की कुम्हिया मिश्रौलिया निवासी दलित सोनबरसा देवी पत्नी दुःखरन ने पुरानी रंजिश को लेकर जाति सूचक शब्दों से गाली देने, मारने पीटने के मामले में दोषियों के विरुद्ध मुकदमा पंजीकृत कराकर न्याय दिलाने की मांग किया है।

सोमवार को एसपी को सम्बोधित पत्र में दलित सोनबरसा देवी ने कहा है कि गत 14 मार्च होली के दिन पुरानी रंजिश को लेकर गांव के ही राजमन पुत्र सदानन्द, धीरेन्द्र पुत्र राजमन, सत्यदेव पुत्र निर्मल, वीरेन्द्र पुत्र राजमन, आकाश पुत्र सत्यदेव, रघुराज, रिंकू पुत्रगण त्रियुगी, दिलीप आदि ने पुरानी रंजिश को लेकर सोनबरसा देवी के घर में घुसकर दुःखरन पुत्र रमई, अरूण पुत्र दुःखरन, सुनीता पुत्री दुःखरन, और सोनबरसा देवी को भद्दी–भद्दी गालियां देकर भाला, कट्टा, लाठी, डण्डा लेकर बुरी तरह से मारा पीटा और जान से मारने की धमकी दिया। इससे दो लोगों का सिर फट गया, दुःखरन की पुत्री 6 माह की गर्भवती गीता को भी दबंगों ने मारा पीटा। उनके रिश्तेदार रितीक रोशन पुत्र रामनयन को भी मारा पीटा गया। मामले की सूचना 112 डायल कर पुलिस को दिया गया। पुलिस ने न तो दोषियों के विरुद्ध मुकदमा पंजीकृत किया और न ही चोटों का मुआयना ही कराया गया। सोनबरसा देवी ने मांग किया कि दोषियों के विरुद्ध मुकदमा पंजीकृत कराकर उसके परिवार को न्याय दिलाया जाय।

भानपुर क्षेत्र में राजन चौधरी ने किया टू लेन सड़क निर्माण की मांग

–भारतीय बस्ती संवाददाता–
बस्ती । विश्व ज्ञान क्रान्ति के राष्ट्रीय अध्यक्ष राजन चौधरी और उपाध्यक्ष राना संजय सिंह ने मुख्यमंत्री, परिवहन मंत्री के साथ ही अन्य सम्बंधित अधिकारियों को पत्र भेजकर भानपुर नगर पंचायत क्षेत्र के स्टेट बैंक के निकट पोखरे से होकर भीवापार, बडोखर बाजार घोलवा चौराहा, अड़वाघाट व तेनुआ असनहरा बाबू घाट तक टू लेन सड़क निर्माण कराये जाने की मांग किया है।

भेजे पत्र में राजन चौधरी ने कहा है कि भीवापार, बडोखर बाजार और अड़वा घाट से तेनुआ असनहरा बाबू घाट तक आवागमन सदैव बना रहता है। सिंगल रोड होने के कारण आये दिन दुर्घटनायें होती रहती है। अनेकों लोग दुर्घटना में अपनी जान गंवा बैठे हैं या अपंग हो गये। ऐसी स्थिति में व्यापक जनहित में टू लेन सड़क निर्माण डिवाइडर के साथ कराये जाने की जरूरत है जिससे दुर्घटनाओं पर अंकुश लग सके।

"मुझे अखबार निकालने दो तो मै इस बात की परवाह नहीं करता कि कौन धर्म का नियामक है और कौन कानून का निर्माता"—वेडेल फिलिप्स

दैनिक भारतीय बस्ती

बस्ती 18 मार्च 2025 मंगलवार

सम्पादकीय

बीच बहस में परिसीमन

लोकसभा निर्वाचन क्षेत्रों के परिसीमन को लेकर चल रही बहस ने इस बात पर गरमा—गर्म बहस छेड़ दी है कि क्या जनसंख्या वृद्धि को नियंत्रित करने में बेहतर प्रदर्शन करने वाले राज्यों को पुरस्कृत किया जाना चाहिए या दंडित किया जाना चाहिए। इस विवाद के केंद्र में तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम.के स्टालिन का यह दावा है कि दक्षिणी राज्य, जिन्होंने जनसंख्या नियंत्रण सहित विभिन्न मापदंडों में बेहतर प्रदर्शन किया है, अगर प्रस्तावित परिसीमन मौजूदा नियमों के अनुसार किया जाता है तो उन्हें 'दंडित' किया जाएगा।

लोकसभा का अगला चुनाव 2029 में बढ़ी हुई सीटों के साथ हो सकता है। 2002 के परिसीमन कानून में 2026 तक लोकसभा की सीटें बढ़ाने पर रोक लगी हुई। कानून में साफ किया गया है कि 2026 के बाद होने वाली जनगणना के आधार पर ही सीटों का परिसीमन होगा। यदि जनगणना 2027 में होने की स्थिति में उसके आंकड़ों के आधार परिसीमन करने में कोई समस्या नहीं होगी। ध्यान देने की बात है कि 2021 में होने वाली जनगणना कोरोना के कारण नहीं हो सकी थी और अब इसके 2027 में होने की संभावना जताई जा रही है। इससे 2002 के परिसीमन कानून में संशोधन के बिना ही 2029 के पहले परिसीमन का रास्ता साफ हो जाएगा।

परिसीमन प्रक्रिया, जिसमें जनसंख्या के आधार पर लोकसभा निर्वाचन क्षेत्रों का पुनर्निर्धारण शामिल है, अगले साल होने वाली है। यह प्रक्रिया आमतौर पर प्रत्येक जनगणना के बाद की जाती है, जैसा कि संविधान के अनुच्छेद 82 द्वारा अनिवार्य है।हालांकि, वर्तमान निर्वाचन क्षेत्रों को 1971 की जनगणना के आधार पर तैयार किया गया था क्योंकि सरकार ने जनसंख्या नियंत्रण उपायों को लागू करने के लिए निर्वाचन क्षेत्रों की संख्या को 25 वर्षों के लिए स्थिर करने का निर्णय लिया था। बाद के संशोधनों ने इस फ्रीज को 2026 तक बढ़ा दिया है। कार्नेगी एंडोमैंट की एक हालिया रिपोर्ट के अनुसार, 5 दक्षिणी राज्यों में 26 सीटों का नुकसान होने का अनुमान है जबकि पश्चिम बंगाल,ओडिशा और पंजाब जैसे अन्य राज्य भी आनुपातिक रूप से सीटें खो सकते हैं।निर्वाचन क्षेत्रों की संख्या पर अंतिम निर्णय सरकार द्वारा स्थापित परिसीमन आयोग द्वारा किया जाएगा। 1951 की जनगणना के बाद से भारत की जनसंख्या में काफी वृद्धि हुई है जिसमें 359 मिलियन की जनसंख्या दर्ज की गई थी।

1976 में लोकसभा निर्वाचन क्षेत्रों की संख्या 500 से बढ़कर 543 हो गई है। अनुमान है कि देश की वर्तमान जनसंख्या को देखते हुए निर्वाचन क्षेत्रों की संख्या 700 से अधिक हो सकती है। स्टालिन की चिंताएं इस तथ्य में निहित हैं कि दक्षिणी राज्यों ने जनसंख्या वृद्धि को प्रभावी रूप से नियंत्रित किया है। स्टालिन और दक्षिणी राज्यों के अन्य नेताओं ने मांग की है कि लोकसभा सीटों की संख्या पर रोक को 30 साल और बढ़ाया जाए।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा है कि दक्षिणी राज्यों को 'प्रति—अनुपात' के आधार पर नुकसान नहीं पहुंचाया जाएगा लेकिन उनकी टिप्पणी में स्पष्टता का अभाव है। इसमें शामिल संवेदनशीलताओं को देखते हुए केंद्र सरकार को इस मुद्दे पर सावधानी से विचार करना चाहिए और आम सहमति बनाने का प्रयास करना चाहिए। देश के राजनीतिक परिदृश्य पर परिसीमन के दीर्घकालिक प्रभावों पर विचार करना आवश्यक है। भारत की जनसंख्या वृद्धि दर घट रही है। कुल प्रजनन दर (टी.एफ.आर.) 2.0 तक पहुंच गई है, जो 2.1 के प्रतिस्थापन स्तर से नीचे है। हालांकि जनसंख्या अभी भी बढ़ रही है और इसमें गिरावट शुरू होने में 30 साल और लगेंगे।

परिसीमन का मुद्दा जटिल है और इसमें जनसंख्या वृद्धि, प्रतिनिधित्व और राजनीतिक निहितार्थ सहित विभिन्न कारकों पर सावधानीपूर्वक विचार करने की आवश्यकता है। जनसंख्या वृद्धि को नियंत्रित करने में बेहतर प्रदर्शन करने वाले राज्यों को दंडित करने की बजाय, केंद्र सरकार को अधिक न्यायसंगत और प्रतिनिधि प्रणाली बनाने का प्रयास करना चाहिए जो जिम्मेदार जनसंख्या नियंत्रण उपायों को पुरस्कृत करे।

महिला किसानों तक कब पहुँचेगी आधुनिक तकनीक?

—प्रियंका सौरभ—

भारत की कृषि—खाद्य प्रणालियाँ, जिनमें कृषि, पशुधन, कृषि वानिकी और मत्स्य पालन शामिल हैं, महिलाओं के भुगतान और अवैतनिक श्रम दोनों पर बहुत अधिक निर्भर हैं। महिलाएँ भारतीय कृषि के लिए महत्त्वपूर्ण हैं, खाद्य उत्पादन, पशुधन प्रबंधन और ग्रामीण अर्थव्यवस्थाओं को समर्थन देने में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। पूर्णकालिक ग्रामीण कार्यबल का लगभग 75: हिस्सा महिलाओं का है और वे कृषकों का 33: हिस्सा हैं। उनकी भागीदारी बुवाई, निराई, कटाई, कटाई के बाद प्रसंस्करण, डेयरी फार्मिंग और पशुधन देखभाल जैसी विभिन्न गतिविधियों में फैली हुई है। उनके आवश्यक योगदान के बावजूद, भूमि स्वामित्व एक चुनौती बनी हुई है, जिसमें केवल 12—13: महिला किसानों के पास भूमि का स्वामित्व है। हालाँकि, डिजिटल तकनीकों और छोटी पहलों में प्रगति कृषि में लैंगिक अंतर को कम करने में मदद कर रही है, महिलाओं को अधिक स्वतंत्र, आर्थिक रूप से स्थिर और निर्णय लेने में प्रभावशाली बनने के लिए सशक्त बना रही है। उनके प्रभाव को और बढ़ाने के लिए, डिजिटल साक्षरता को बढ़ाना, स्मार्टफोन तक पहुँच में सुधार करना और नीति समर्थन प्रदान करना महत्त्वपूर्ण होगा।

डिजिटल तकनीक और छोटे—मोटे हस्तक्षेपों ने भारतीय कृषि में महिलाओं के लिए परिदृश्य को काफी हद तक बदल दिया है। इन नवाचारों ने महिला किसानों को भूमि स्वामित्व, बाजार तक पहुँच, वित्तीय समावेशन और ज्ञान के आदान—प्रदान से सम्बंधित पारंपरिक बाधाओं को तोड़ने में सक्षम बनाया है। डिजिटल उपकरण कृषि में महिलाओं को सशक्त बना रहे हैं। एप्लिकेशन और हेल्पलाइन वास्तविक समय के मौसम पूर्वानुमान, इष्टतम कृषि तकनीक और वर्तमान बाजार मूल्य प्रदान करते हैं। किसान सुविधा, पूसा कृषि और इफको किसान ऐप जैसे संसाधन महिला किसानों को अच्छी तरह से सूचित विकल्प बनाने में सहायता करते हैं। व्हाट्सएप ग्रुप और यूट्यूब ट्यूटोरियल सहकर्मी सीखने और ज्ञान के आदान—प्रदान की सुविधा प्रदान करते हैं। यूपीआई, डिजिटल वॉलेट और ऑनलाइन बैंकिंग सहित डिजिटल भुगतान प्रणाली महिलाओं को सीधे ऋण और सब्सिडी सुरक्षित करने में सक्षम बनाती है। किसान क्रेडिट कार्ड और डिजिटल माइक्रोफाइनेंस प्लेटफॉर्म, जैसे कि पेटीएम और नाबार्ड के ई—शक्ति, महिलाओं के नेतृत्व वाले स्वयं सहायता समूहों को वित्तीय सहायता प्रदान करते हैं। ई—एनएएम (राष्ट्रीय कृषि बाजार) और एग्रीबाजार जैसे प्लेटफॉर्म महिला किसानों को अपने उत्पाद सीधे उपभोक्ताओं को बेचने की अनुमति देते हैं, जिससे बिचौलियों की जरूरत नहीं पड़ती।

महिलाओं के नेतृत्व वाली सहकारी समितियाँ अपने जैविक कृषि उत्पादों को बढ़ावा देने के लिए फेसबुक और इंस्टाग्राम का उपयोग कर रही हैं। एआई तकनीकें मिट्टी के स्वास्थ्य, कीटों का पता लगाने और सटीक खेती की तकनीकों के बारे में बहुमूल्य जानकारी प्रदान करती हैं। उन्नत सिंचाई प्रणाली और सौर ऊर्जा से चलने वाले पंप पानी के उपयोग को कम करने और महिला किसानों के शारीरिक कार्यभार को कम करने के लिए डिजाइन किए गए हैं। स्वयं सहायता समूहों के सदस्यों को समूह ऋण, प्रशिक्षण और कृषि संसाधनों तक पहुँच से लाभ होता है। तेलंगाना में डेक्कन डेवलपमेंट सोसाइटी इन महिलाओं के नेतृत्व वाली सहकारी समितियों के माध्यम से बाजरा की खेती का समर्थन करती है। महिलाओं पर बोझ कम करने में मदद करने के लिए बीज बोने वाले, हाथ से चलने वाले ट्रैक्टर और सोलर ड्रायर जैसे सरल कृषि उपकरण उपलब्ध हैं। सरकारी पहल मशीनीकृत उपकरणों के लिए सब्सिडी प्रदान करती है, जो महिलाओं के लिए फायदेमंद है। महिला किसान सशक्तिकरण परियोजना जैसे एनजीओ और सरकारी कार्यक्रम आवश्यक कौशल प्रशिक्षण प्रदान करते हैं। डिजिटल साक्षरता पहल महिला किसानों को नए तकनीकी समाधानों को अपनाने के लिए सशक्त बनाती है। महिलाएँ जैविक खेती, पर्माकल्चर और जलवायु—स्मार्ट कृषि पद्धतियों में तेजी से शामिल हो रही हैं। वर्मीकम्पोस्टिंग पिट, छत पर बगीचे और कृषि वानिकी जैसे छोटे पैमाने के हस्तक्षेप स्थायी आय में योगदान करते हैं। टाटा ट्रस्ट्स द्वारा लखपति किसान पहल ने झारखंड में आदिवासी महिलाओं को कृषि प्रौद्योगिकी और ई—कॉमर्स में प्रशिक्षित किया है। डिजिटल ग्रीन पहल ग्रामीण महिलाओं को बेहतर खेती के तरीकों के बारे में शिक्षित करने के लिए वीडियो का उपयोग करती है। वाग्धारा जैसे किसान उत्पादन संगठन (एफपीओ) महिलाओं को सामूहिक रूप से बेहतर कीमतों पर बातचीत करने में सहायता करते हैं।

आज की दुनिया में, डिजिटल तकनीक और छोटे—छोटे हस्तक्षेप कृषि में महिलाओं को सशक्त बनाने में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। परंपरागत रूप से, महिलाओं को निराई, थ्रेसिंग और डी—हल्किंग जैसे श्रम—गहन और समय लेने वाले काम सौंपे जाते रहे हैं। हालाँकि, मशीनीकरण उनके कार्यभार को हल्का करने में मदद करता है, जिससे उन्हें अधिक मूल्यवान कृषि गतिविधियों में संलग्न होने की अनुमति मिलती है। मोबाइल ऐप, हेल्पलाइन और सलाहकार सेवाओं सहित डिजिटल उपकरण महिलाओं को अप—टू—डेट बाजार और मौसम की जानकारी प्रदान करते हैं, जो बेहतर फसल योजना और संसाधन प्रबंधन में सहायता करता है। कई महिलाओं को ऋण और वित्तीय संसाधनों तक पहुँचने में चुनौतियों का सामना करना पड़ता है, जो आधुनिक कृषि तकनीकों में निवेश करने की उनकी क्षमता को सीमित करता है। सौभाग्य से, डिजिटल भुगतान प्रणाली और ई—कॉमर्स प्लेटफॉर्म मछली विक्रेताओं और किसानों जैसी महिलाओं को स्वतंत्र रूप से लेन—देन करने में सक्षम बनाते हैं, जिससे बिचौलियों पर उनकी निर्भरता कम होती है। महिलाओं को कृषि मशीनरी चलाने के कौशल से लैस करके, ये छोटे—छोटे हस्तक्षेप जड़ जमाए हुए लैंगिक पूर्वाग्रहों को चुनौती देते हैं और महिलाओं को खेती में नेतृत्व की भूमिका निभाने के लिए सशक्त बनाते हैं। सूचना और प्रौद्योगिकी तक पहुँच महिलाओं की पारंपरिक बाधाओं को दूर करने और अपनी स्वतंत्रता का दावा करने की क्षमता को बढ़ाती है।

ग्रामीण क्षेत्रों में कई महिलाएँ डिजिटल साक्षरता से जूझती हैं, जो मोबाइल एप्लिकेशन और ऑनलाइन सेवाओं का प्रभावी ढंग से उपयोग करने की उनकी क्षमता में बाधा डालती है। स्मार्टफोन तक सीमित पहुँच और अविश्वसनीय इंटरनेट कनेक्शन से स्थिति और भी खराब हो गई है। सामाजिक मानदंड निर्णय लेने की प्रक्रियाओं में महिलाओं की भागीदारी को प्रतिबंधित करना जारी रखते हैं। घरेलू स्तर पर निवेश अक्सर उन तकनीकों पर केंद्रित होता है जो मुख्य रूप से पुरुषों को लाभ पहुँचाती हैं, महिलाओं की अनूठी जरूरतों की उपेक्षा करती हैं। इसके अतिरिक्त, सरकारी नीतियाँ और कृषि विस्तार सेवाएँ अक्सर लिंग—विशिष्ट मुद्दों को अनदेखा करती हैं। केवल 13: ग्रामीण महिलाओं के पास जमीन है, इसलिए ऋण और कृषि कार्यक्रमों तक उनकी पहुँच बहुत सीमित है। कृषि और मत्स्य पालन में मशीनीकरण के बढ़ने से महिलाओं की नौकरियाँ चली गई हैं, जिससे उन्हें अधिक अस्थिर और अनौपचारिक रोजगार में जाना पड़ रहा है। मछली बाजारों में बड़े खरीदारों और निर्यात व्यापारियों के बढ़ते प्रभुत्व ने छोटे पैमाने की महिला विक्रेताओं को हाशिये पर धकेल दिया है, जिससे मछली की आपूर्ति और उचित मूल्य तक उनकी पहुँच सीमित हो गई है। हालाँकि मोबाइल एप्लिकेशन, ऑनलाइन मार्केटप्लेस और डिजिटल भुगतान प्रणाली नए अवसर प्रदान करती हैं, फिर भी कई ग्रामीण महिलाओं को स्मार्टफोन, इंटरनेट एक्सेस और डिजिटल कौशल की कमी के कारण बाधाओं का सामना करना पड़ता है। रिपोर्ट से पता चला है कि भारत में सिर्फ 31: ग्रामीण महिलाओं के पास स्मार्टफोन हैं, जबकि पुरुषों के लिए यह आँकड़ा 51: है। इस अंतर को पाटने के लिए, सरकार की पहल महिला किसानों के लिए स्मार्टफोन के लिए सब्सिडी दे सकती है।

इसके अतिरिक्त, स्वयं सहायता समूहों में डिजिटल साक्षरता प्रशिक्षण को शामिल करना महत्त्वपूर्ण है। आपको क्या लगता है कि महिलाओं की तकनीक तक पहुँच को सीमित करने में किसका ज्यादा प्रभाव पड़ता हैरू वित्तीय बाधाएँ या सामाजिक मानदंड? सोलर पंप, डिजिटल भुगतान प्रणाली और माइक्रोलोन जैसे छोटे पैमाने के समाधान तत्काल, उल्लेखनीय सुधार ला सकते हैं। दूसरी ओर, भूमि अधिकार और कृषि तकनीक को अपनाने जैसे व्यापक सुधारों के लिए नीतिगत बदलावों की आवश्यकता होगी और इसमें अधिक समय लगेगा। ओडिशा में, षमिशन शक्तिष पहल ने हजारों महिलाओं को वित्तीय साक्षरता और डिजिटल लेन—देन में सफलतापूर्वक शिक्षित किया है। हालाँकि, ई—एनएएम प्लेटफॉर्म, जो भारत का डिजिटल कृषि बाजार है, अभी भी भूमि स्वामित्व चुनौतियों के कारण कम महिला भागीदारी से जूझ रहा है। आपको कौन—सी रणनीति महिलाओं को सशक्त बनाने के लिए अधिक प्रभावी लगती हैरू लक्षित, छोटे पैमाने के हस्तक्षेप या व्यापक प्रणालीगत सुधार? महिलाओं के नेतृत्व वाली कई एग्रीटेक स्टार्टअप इस क्षेत्र में महत्त्वपूर्ण प्रगति कर रही हैं। उदाहरण के लिए, अपूर्वा बी. के. द्वारा स्थापित कमल किसान छोटे पैमाने के किसानों के लिए किफायती कृषि उपकरण प्रदान करता है, जबकि फार्मिजेन जैविक फार्म—टू—टेबल मॉडल के माध्यम से महिला किसानों को सीधे शहरी उपभोक्ताओं से जोड़ता है। क्या सरकार को महिलाओं के नेतृत्व वाली एग्रीटेक उपक्रमों के लिए समर्पित निधि प्रदान करने पर विचार करना चाहिए? एक सहयोगी दृष्टिकोण जो सरकारी नीतियों, सामुदायिक पहलों और निजी क्षेत्र के नवाचारों को जोड़ता है, यह सुनिश्चित करने के लिए महत्त्वपूर्ण है कि भारत में महिला किसानों के पास प्रौद्योगिकी तक समान पहुँच हो।

शिक्षा में स्मार्टफोन का प्रचलन और स्वास्थ्य

— ललित गर्ग—

शिक्षा में तेजी से बढ़ते स्मार्टफोन के उपयोग और उसके घातक प्रभावों को लेकर दुनियाभर में हलचल है, बड़े शोध एवं अनुसंधान हो रहे हैं, जिनके निष्कर्षों एवं परिणाम को देखते हुए कड़े कदम भी उठाये जा रहे हैं। शोध एवं अध्ययनों के तथ्यों ने चौंकाया भी है एवं चिन्ता में भी डाला है। पाया गया कि जो छात्र अपने फोन के करीब रहकर पढ़ाई करते हैं, उन्हें ध्यान केंद्रित करने में बहुत मुश्किल होती है, भले ही वे इसका उपयोग न कर रहे हों। स्मार्टफोन के उपयोग से नींद की गुणवत्ता कम होने, तनाव बढ़ने, एकाग्रता बाधित होने, स्मृति लोप होने, अवांछित सामग्री का अधिक उपयोग करने, मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य पर दुष्प्रभाव पड़ने जैसे खतरे उभरें हैं। इन बढ़ते खतरों को देखते हुए दुनियाभर में कम से कम 79 शिक्षा प्रणालियों ने स्कूलों में स्मार्टफोन पर प्रतिबंध लगा दिया है। जिसे लेकर, कई देशों में बच्चों की शिक्षा और निजता पर इसके प्रभाव को लेकर बहस जारी है। 'संयुक्त राष्ट्र शैक्षिक, वैज्ञानिक एवं सांस्कृतिक संगठन' (यूनेस्को) की वैश्विक शिक्षा निगरानी (जीईएम) टीम के अनुसार, 60 शिक्षा प्रणालियों या वैश्विक स्तर पर पंजीकृत कुल शिक्षा प्रणालियों का 30 प्रतिशत ने विशेष कानूनों या नीतियों के माध्यम से 2023 के अंत तक स्कूलों में स्मार्टफोन पर प्रतिबंध लगा दिया है। भारत में अभी इस ओर कोई कदम नहीं उठाया गया है।

सर्वेक्षण के आंकड़े यह संकेत देते हैं कि डिजिटल शिक्षा और स्मार्टफोन के इस्तेमाल में बच्चों की भागीदारी तेजी से बढ़ रही है। यह बदलाव शिक्षा के क्षेत्र में नए अवसर पैदा कर रहा है, लेकिन साथ ही इसके साथ कई चुनौतियाँ भी हैं, डिजिटल शिक्षा को संतुलित और सुरक्षित बनाना आने वाले समय में एक प्रमुख चुनौती है। डिजिटल शिक्षा के बढ़ते प्रभाव के साथ, यह आवश्यक हो गया है कि स्मार्टफोन और इंटरनेट का सही, संयमपूर्ण और सुरक्षित उपयोग सुनिश्चित किया जाए ताकि बच्चों का विकास सही दिशा में एवं समग्रता से हो। निस्संदेह, शिक्षा के बाजारीकरण और नए शैक्षिक प्रयोगों में मोबाइल की अपेक्षाओं को महंगे स्कूलों ने स्टेटस सिंबल बना दिया है। लेकिन हालिया वैश्विक सर्वेक्षण बता रहे हैं कि पढ़ाई में अत्यधिक मोबाइल का प्रयोग विद्यार्थियों के लिये मानसिक व शारीरिक समस्याएं पैदा कर रहा है। सर्वविदित है कि विभिन्न ऑनलाइन शैक्षिक कार्यक्रमों के चलते छात्र—छात्राओं में मोबाइल फोन का इस्तेमाल तेजी से बढ़ा है। तमाम पब्लिक स्कूलों ने ऑनलाइन शिक्षा के लिए मोबाइल फोन का इस्तेमाल अनिवार्य तक बना दिया है। कमोबेश सरकारी स्कूलों में ऐसी बाध्यता नहीं है। लेकिन वैश्विक स्तर पर किए गए सर्वेक्षण से यह तथ्य सामने आया है कि स्मार्टफोन एक हद तक तो सीखने की प्रक्रिया में मददगार साबित हुआ है, लेकिन इसके नकारात्मक प्रभावों को भी नजरअंदाज नहीं किया जाना चाहिए। ज्यादा मोबाइल का इस्तेमाल करने से पढ़ाई में बाधा आती है, नैसर्गिक शैक्षणिक गुणवत्ता आहत होती है।

भारत में 21 राज्यों के ग्रामीण समुदायों में 6—16 वर्ष की आयु के स्कूली बच्चों के 6,229 अभिभावकों के बीच किए गए अखिल भारतीय सर्वेक्षण से पता चला कि अधिकतर बच्चे पढ़ाई के बजाय मनोरंजन एवं अश्लील सामग्री के लिए स्मार्टफोन का उपयोग करते हैं। सर्वेक्षण में कहा गया है कि जिन छात्रों के पास गैजेट्स हैं, उनमें से 56.6 प्रतिशत ने डिवाइस का इस्तेमाल मूवी डाउनलोड करने और देखने के लिए किया, जबकि 47.3 प्रतिशत ने उनका इस्तेमाल संगीत डाउनलोड करने और सुनने के लिए किया। सर्वेक्षण से पता चला है कि ग्रामीण भारत में 49.3 प्रतिशत छात्रों के पास स्मार्टफोन की पहुंच है, लेकिन उनमें से केवल 34 प्रतिशत ही पढ़ाई के लिए इसका इस्तेमाल करते हैं।

वैश्विक स्तर पर, आज दुनिया भर में 6.378 बिलियन स्मार्टफोन उपयोगकर्ता हैं—जो कि कुल आबादी का लगभग 80.69 प्रतिशत है। इसमें दो मत नहीं कि एक समय महज बातचीत का जरिया माना जाने वाला मोबाइल फोन आज दैनिक जीवन की जरूरतों को पूरा करने वाला बेहद जरूरी उपकरण बन चुका है। खासकर कोरोना संकट के चलते स्कूल—कालेजों के बंद होने के बाद तो यह पढ़ाई का अनिवार्य हिस्सा बन गया। आललाइन कक्षाओं के बढ़ते प्रचलन में लगने लगा था कि इसके बिना तो पढ़ाई संभव ही नहीं है। लेकिन नादान बच्चों के हाथ में मोबाइल बंदर के हाथ में उस्तरे जैसा ही साबित हुआ है।

कांग्रेस में उथल—पुथल और राहुल गांधी

—बलबीर पुंज—

लोकसभा चुनाव के बाद हरियाणा, महाराष्ट्र और दिल्ली में मिली पराजय के बाद कांग्रेस की हालत खस्ता है। पार्टी ने अपने बलबूते आखिरी बार 1984 में केंद्र में प्रचंड बहुमत से सरकार बनाई थी। उसके बाद कांग्रेस ने दिवंगत पी.वी. नरसिम्हा राव (1991—96) और दिवंगत डा. मनमोहन सिंह (2004—14' के नेतृत्व में गठबंधन की सरकार चलाई। परंतु अब कांग्रेस की स्थिति जितना सोचा था, उससे कहीं अधिक बदत्तर है। गत 8 मार्च को गुजरात पहुंचे कांग्रेस के शीर्ष नेता और लोकसभा में नेता विपक्ष राहुल गांधी अपने ही नेताओं पर भड़क गए और कहा, ''कांग्रेस में नेताओं की कमी नहीं है,बब्बर शेर हैं, मगर पीछे चेन लगी हुई है। अगर हमें सख्त कार्रवाई करनी पड़ी, 40 लोगों को निकालना पड़ा तो निकाल देना चाहिए। भाजपा के लिए अंदर से काम कर रहे हैं।'' आखिर राहुल का अपनी पार्टी के नेताओं पर इस अविश्वास का कारण क्या है।

निःसंदेह, कांग्रेस समर्थकों—हितैषियों के लिए यह चिंतन और चिंता का विषय है कि आम जनता के साथ कांग्रेस का एक वर्ग भी न केवल भाजपा—संघ की नीतियों से प्रभावित है, बल्कि उसके लिए अंदरखाते से काम भी कर रहा है। वास्तव में, राहुल और उनके सलाहकार पार्टी के संकट को समझने में बार—बार चूक कर रहे हैं। कांग्रेस की सबसे बड़ी समस्या उसके नेतृत्व की अस्थिरता, दिशाहीनता और जनभावना से भीषण कटाव है। कांग्रेस सनातन संस्कृति के प्रति अपनी प्रत्यक्ष—परोक्ष घृणा प्रदर्शित करके भाजपा संघ से अलग पहचान बना रही है। इसके लिए पार्टी नेतृत्व हिंदुओं को जातियों में बांटने और मुसलमानों को इस्लाम के नाम एकजुट रखने की विभाजनकारी राजनीति से भी गुरेज नहीं करता।

बीते दिनों कांग्रेस के अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खडगे का 'गंगा में डुबकी लगाने से गरीबी दूर नहीं होती, संबंधित बयान इसी मानसिकता से जनित है। यह बात अलग है कि कि कर्नाटक के उप—मुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार, हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू और सचिव पायलट सहित कई कांग्रेसी नेता महाकुंभ में स्नान करते दिखे और इनमें कुछ ने राजनीति से ऊपर उठ कर इतने विशाल आयोजन के लिए उत्तर प्रदेश की योगी आदित्यनाथ सरकार की प्रत्यक्ष—परोक्ष प्रशंसा भी की। इससे कांग्रेस नेतृत्व और बेचैन हो गया।

वैचारिक—राजनीतिक कारणों से राहुल गांधी इस हद तक मोदी—विरोध में चूर हो चुके हैं कि वे अपने वक्तव्यों से भारत के आत्मसम्मान, देश की एकता, अखंडता, सुरक्षा के साथ वैश्विक कूटनीति में राष्ट्रीय हितों को भी दांव पर लगाने से परहेज नहीं कर रहे है। बीते दिनों लोकसभा में राहुल ने बेतुका दावा किया कि विदेश मंत्री जयशंकर बार—बार अमरीका इसलिए गए ताकि प्रधानमंत्री मोदी को ट्रंप के शपथ ग्रहण समारोह में बुलाया जा सके। क्या यह वर्तमान विपक्ष की सबसे ओछी राजनीति नहीं है। जब अमरीका में ट्रंप द्वारा प्रधानमंत्री मोदी की प्रशंसा हुई, तो उसे कांग्रेसी सांसद और पूर्व विदेश राज्यमंत्री शशि थरूर ने आशाजनक बताया। यह भी कांग्रेस नेतृत्व को चुभ गया।

यह कोई पहली बार नहीं है। वर्ष 2018 में राहुल ने राफेल प्रकरण पर फ्रांसीसी राष्ट्रपति के नाम पर एक बेबुनियाद दावा किया था, जिसका खंडन खुद फ्रांसीसी सरकार को करना पड़ा। 2017 में जब डोकलाम में भारत चीनी उकसावे का प्रतिकार रहा था, तब राहुल गुप्त तौर पर चीनी राजदूत से मिलने चले गए। अपने हालिया विदेशी दौरों में राहुल कई बार इस बात पर असंतुष्ट हो चुके हैं कि अमरीका, यूरोप अब भारत के आंतरिक मामलों पर कुछ नहीं बोलता। कई अवसरों पर राहुल भारत को राष्ट्र के बजाय राज्यों का संघर्ष बता चुके हैं। राहुल की यह मानसिकता उन विदेशी विचारधाराओं के अनुरूप है, जिसमें देश की मूल सनातन संस्कृति, पहचान और इतिहास के प्रति हीन—भावना और भारत को राष्ट्र नहीं मानने का चिंतन है।

ऐसे ही मानस से ग्रस्त होने के कारण राहुल जाने—अनजाने में किस प्रकार भारत—विरोधी शक्तियों को मौका दे रहे है, यह उनके सितंबर 2024 के अमरीका दौरे में इस बयान से स्पष्ट है। तब उन्होंने कहा था, ''लड़ाई इस बात की है कि एक सिख होने के नाते क्या उन्हें भारत में पगड़ी, कड़ा पहनने या गुरुद्वारा जाने की अनुमति मिलेगी' इसे आधार बनाकर अमरीका—कनाडा स्थित खालिस्तानी चरमपंथियों ने भारत के खिलाफ जहर उगलना शुरू कर दिया। हाल ही में राहुल ने यहां तक कह दिया कि कांग्रेस की लड़ाई अब सिर्फ भाजपा—संघ से ही नहीं, बल्कि 'इंडियन स्टेट अर्थात' समूचे भारत से है।आखिर यह कैसी मानसिकता है, क्या यह सच नहीं कि जिहादियों, इंजीलवादियों के साथ नक्सलवादी भी दशकों से 'इंडियन स्टेट' के खिलाफ 'युद्धरत' हैं। जब भारतीय सनातन संस्कृति में हजारों वर्षों से संवाद और असहमति को स्वीकार करने की परंपरा रही है, तो भारतीय सियासत में राजनीतिक— वैचारिक विरोधी को प्रतिद्वंद्वी के बजाय शत्रु मानने की विकृति कहां से आई। स्वतंत्रता से पहले और बाद में 1960—70 के दशक तक विभिन्न राजनीतिज्ञों में मतभिन्नता थी, परंतु बहुत हद तक उनमें मनभेद और शत्रुभाव नहीं था। हालिया वर्षों में इस अराजकतावादी राजनीति को यदि किसी ने और तीव्रता के साथ गति दी है तो वह राहुल गांधी ही हैं।

सभी बच्चों को शिक्षित कर पूरा होगा विकसित भारत का सपना –राज्यपाल

संवाददाता–महराजगंज। उत्तर प्रदेश की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने सोमवार को महराजगंज में विभिन्न योजनाओं की समीक्षा की। उन्होंने कलेक्ट्रेट परिसर में आयोजित कई विभागों के स्टालों का भी निरीक्षण किया और लाभार्थियों को योजनाओं से संबंधित किट व प्रमाणपत्र देकर सम्मानित किया।

राज्यपाल ने कहा कि सभी बच्चों को शिक्षित कर प्रधानमंत्री के विकसित भारत के सपने को साकार किया जा सकता है।जब सभी योजनाएं बेटियों तक पहुंचेंगी तभी बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ का लक्ष्य प्राप्त किया जा सकता है। उन्होंने आंगनबाड़ी केंद्रों का महत्व बताते हुए कहा कि बच्चों के विकास के लिए यह महत्वपूर्ण माध्यम हैं। बच्चे इन केंद्रों तक पहुंचे यह सभी को सुनिश्चित करना होगा।

उन्होंने कहा कि समाज में वही व्यक्ति वास्तव में बड़ा होता है, जो जरूरतमंदों और कमजोर वर्ग की सहायता करता है। गरीबों का उत्पीड़न करने वाला, उनकी जमीन हड़पने वाला कभी बड़ा नहीं हो सकता। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि यह सुनिश्चित किया जाए कि सभी बच्चे आंगनबाड़ी केंद्रों से जुड़ें और उनकी प्रारंभिक शिक्षा सुचारु रूप से चले। कहा कि, जिले के अधिकारियों द्वारा स्कूलों को गोद लेना अच्छी पहल है, अब हर अधिकारी को गांव भी गोद लेना चाहिए। बच्चों की शिक्षा और पोषण सुनिश्चित करना हम सभी की जिम्मेदारी है। सभी बच्चों को समय पर वैक्सीन लगवाई जाए इसका ध्यान अभिभावकों को भी देना होगा। उन्होंने सुझाव दिया कि जो लोग अपने बच्चों को वैक्सीन नहीं लगवाते, उन्हें सरकारी योजनाओं से वंचित किया जाना चाहिए।

उन्होंने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 2025 तक भारत को क्षय रोग मुक्त करने के लक्ष्य को दोहराया और इसके लिए हर नागरिक को जागरूक करने की अपील की। उन्होंने किशोरियों को एचपी वैक्सीन लगाने पर भी जोर दिया, जिससे उन्हें कैंसर से बचाया जा सके। राज्यपाल ने कहा कि लोग को नशे के लिए रुपये हैं,लेकिन बेटियों को वैक्सीन लगवाने के लिए रुपये नहीं है। यह सोच बदलने की जरूरत है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि महराजगंज जिले के सभी मुसहर गांवों में सरकारी योजनाओं का शत प्रतिशत लाभ पहुंचाया जाए, ताकि वहां के लोग भी मुख्यधारा से जुड़ सकें। उन्होंने बाल विवाह और दहेज प्रथा जैसी कुरीतियों को खत्म करने के लिए गांव–गांव जागरूकता यात्रा निकालने का सुझाव दिया।

जिलाधिकारी अनुनय झा, पुलिस अधीक्षक सोमेन्द्र मीना, जिला पंचायत अध्यक्ष रविकांत पटेल, पनियरा विधायक ज्ञानेंद्र सिंह, सदर विधायक जय मंगल कन्नौजिया,सिसवा विधायक प्रेम सागर पटेल, फरेंदा विधायक वीरेंद्र चौधरी,भाजपा जिलाध्यक्ष संजय पांडेय, जिला महामंत्री ओमप्रकाश पटेल, पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष कृष्ण गोपाल जायसवाल, संजीव शुक्ला, आकाश श्रीवास्तव सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी व जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे।

एसडीएम ने खुद ट्रैक्टर चलाकर हटाया अवैध कब्जा

संवाददाता–देवरिया। कब्जा मुक्ति अभियान के दूसरे दिन जिले के 44 सरकारी भूमि से अतिक्रमण हटाया गया। सलेमपुर तहसील क्षेत्र के करौता में चक मार्ग पर किए गए अतिक्रमण पर एसडीएम दिशा श्रीवास्तव ने खुद ट्रैक्टर चलाकर अवैध अतिक्रमण हटाया। अवैध अतिक्रमण पर प्रशासन की कार्रवाई से अवैध कब्जाधारियों में खलबली मची रही। सदर तहसील के पिपरा चंद्रभान, पटखौली समेत विभिन्न गांवों में किए गए अवैध कब्जा से अतिक्रमण हटाया गया। इस दौरान तहसीलदार केके मिश्र, तहसीलदार न्यायिक नवीन निश्चल त्रिपाठी, नाबय तहसीलदार रत्नेश, गंगाराम, भानू प्रताप यादव समेत अन्य अधिकारी भी मौजूद रहे। रुद्रपुर तहसील क्षेत्र में छह स्थानों से अतिक्रमण हटाया गया। जिसमें खोपा, पकड़ी, नबकनी, रामनगर समेत अन्य गांव में अवैध कब्जा शामिल रहे। बरहज के कपरवार बांगर, गंगाचक समेत विभिन्न गांवों में किए गए अतिक्रमण पर प्रशासन की तरफ से कार्रवाई की गई।

सलेमपुर तहसील क्षेत्र के करौता में बहुत दिनों से चकमार्ग पर किए गए अवैध कब्जा पर भी प्रशासन की तरफ से कार्रवाई की गई। एसडीएम सलेमपुर दिशा श्रीवास्तव खुद ही ट्रैक्टर का हैंडिल संभाल लीं और अवैध कब्जा को जोत कर बराबर कर दिया। एसडीएम की इस कार्रवाई से अवैध कब्जाधारियों में खलबली मची रही। डीएम दिव्या मित्तल ने कहा कि यह कार्रवाई लगातार जारी रहेगी। अवैध कब्जा लोग खुद ही हटा लें।

इलाज के दौरान घायल युवक की मौत, पुलिस आरोपियों की तलाश में जुटी

संवाददाता–श्रावस्ती। होली के दिन हमले में घायल युवक की सोमवार को मौत हो गई। खबर मिली तो घर में चीख पुकार मच गई। शोर सुनकर आसपास के लोग जमा हो गए। ग्रामीण परेशान परिजन को ढांढस बंधाते रहे। सूचना पर पहुंची पुलिस ने केस में गैर इरादतन हत्या की धारा बढ़ाई है।

मामला भिनगा कोतवाली क्षेत्र के चननकुड़ी के मजरा बकवा का है। यहां चार दिन पहले बृहस्पतिवार की शाम पहर पुरानी रंजिश में एक पक्ष ने लाठी–डंडा व धारदार हथियार से दूसरे पक्ष के घर हमला बोल दिया। इसमें जूजू (35) पुत्र अंबरलाल, जूजू की पत्नी रेनू (30), भाभी मंजू (35), प्रेमावती (32) गंभीर रूप से घायल हो गए। मामले में पुलिस ने घायलों को अस्पताल पहुंचाया। आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज किया।

अस्पताल में भर्ती जूजू की हालत गंभीर होने के कारण उसे मेडिकल कॉलेज, बहराइच के लिए रेफर कर दिया गया। बाद में उसे ट्रामा सेंटर लखनऊ के लिए रेफर किया गया। वहां इलाज न मिलने पर परिजन जूजू को वापस घर ले आए थे। रविवार की शाम जूजू की हालत बिगड़ गई। परिजन देर शाम उसे संयुक्त जिला चिकित्सालय, भिनगा में भर्ती कराया।

सोमवार की सुबह इलाज के दौरान जूजू की मौत हो गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने जानकारी ली। केस में आरोपियों के विरुद्ध गैर इरादतन हत्या की धारा बढ़ाई। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा। प्रभारी निरीक्षक भानुप्रताप सिंह ने बताया कि आरोपियों की तलाश की जा रही है। जल्द ही उन्हें गिरफ्तार कर जेल भेजा जाएगा।

तालाब की जमीन पर अवैध निर्माण को हटाने की मांग

संवाददाता–श्रावस्ती। विकासखंड जमुनहा की ग्राम पंचायत दामोदर निवासी मंशाराम पुत्र कृपाराम, दम्मन पुत्र झगरू,गोबर पुत्र बकरीद आदि लोगों ने तहसील दिवस में प्रार्थना पत्र देकर तालाब की जमीन से अवैध कब्जा हटाने की मांग की है। शिकायतकर्ताओं का आरोप है कि सरकारी जमीन पर अवैध तरीके से पाट कर शौचालय का निर्माण कर लिया गया है। तालाब श्रेणी की भूमि पर अवैध कब्जा करने वाले लोगों के खिलाफ कार्रवाई करते हुए सरकारी जमीन से अतिक्रमण हटाकर अवैध कब्जा मुक्त कराए जाने की मांग की है। इस संबंध में ग्रामीणों ने बताया की कई बार उप जिला अधिकारी जमुनहा को प्रार्थना पत्र दिया जा चुका है। इस जमीन पर बेदखली का आदेश किया गया था। लेकिन अवैध कब्जा नहीं हटाया गया।

पुलिस से मुठभेड़ में पशु तस्कर गिरफ्तार

संवाददाता–कुशीनगर। जिले के कुबेरस्थान थाना क्षेत्र में रविवार की देर रात पुलिस और पशु तस्कर के बीच मुठभेड़ हो गई। पुलिस की गोली से पशु तस्कर घायल हो गया। पुलिस ने पशु तस्कर की पहचान पड़रौना कोतवाली के बाहिया गांव निवासी नूर बसर के रूप में हुई। घायल तस्कर का इलाज मेडिकल कालेज में चल रहा है। इसके पहले, लुकआउट नोटिस पर इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट दिल्ली से शनिवार को गोरखपुर जिले के इनामी पशु तस्कर को सुरक्षा कर्मियों ने दबोच लिया था। उसकी पहचान कुशीनगर जिले के तुर्कपट्टी थाना के लाला गुरवलिया शेख टोला निवासी निवासी सोनू शेख उर्फ वाजिद राज उर्फ शाहिद आलम के रूप में हुई। दिल्ली से ट्रांजिट रिमांड पर रविवार को रामगढ़ताल थाना पुलिस उसे गोरखपुर लेकर आई। पूछताछ के बाद उसे स्पेशल कोर्ट में पेश कर जेल भिजवा दिया गया।

किसी भी स्तर पर लापरवाही स्वीकार्य नहीं–एसपी

संवाददाता–श्रावस्ती। पुलिस अधीक्षक की ओर से कार्यालय स्टाफ व शाखा प्रभारियों के साथ जरूरी बैठक की गई। बैठक में सभी शाखा के कार्यों की समीक्षा की गई। साथ ही संबंधित अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए गए। बैठक का आयोजन सोमवार को पुलिस कार्यालय में किया गया।

बैठक में पुलिस अधीक्षक घनश्याम चौरसिया ने राजपत्रित अधिकारियों व सभी शाखा प्रभारियों के कार्यों के बारे में जानकारी ली। उन्होंने सभी का कुशलक्षेम जाना और उनके कार्यों की समीक्षा की। लंबित प्रार्थना पत्रों, चरित्र सत्यापन, सम्मन तामील व अन्य जांचों की प्रगति की जानकारी ली तथा संबंधित अधिकारियों को निस्तारण करने के निर्देश दिए। एसपी ने कहा कि जनता की शिकायतों का निष्पक्ष, पारदर्शी व समय से निस्तारण करना पुलिस की सर्वोच्च प्राथमिकता है और इसमें किसी भी स्तर पर लापरवाही स्वीकार्य नहीं होगी। पुलिस अधीक्षक ने सभी जांचकर्ता अधिकारियों को निर्देशित किया कि वह प्रत्येक शिकायत का गहन अध्ययन कर आवेदकों की संतुष्टि सुनिश्चित करें। उन्होंने स्पष्ट किया कि लंबित व असंतोषजनक रूप से निस्तारित प्रकरणों की गहन समीक्षा की जाएगी और यदि किसी आवेदक को संतोषजनक समाधान नहीं मिलता है तो वह सीधे पुलिस अधीक्षक कार्यालय में संपर्क कर सकता है। जनसुनवाई पोर्टल पर प्राप्त शिकायतों का प्रभावी समाधान कर पुलिस व जनता के बीच विश्वास को और अधिक मजबूत बनाया जाए। बैठक में एएसपी प्रवीण कुमार यादव, सीओ आलोक कुमार सिंह आदि मौजूद रहे।

भोजपुरी, लोक गायन व फगुवा गीत से हुआ होली मिलन

संवाददाता–बलरामपुर। तुलसीपार्क में नगर पालिका की ओर से होली मिलन समारोह कार्यक्रम आयोजित किया गया। समारोह के मुख्य अतिथि शक्तिपीठ देवीपाटन मंदिर महंत मिथिलेश नाथ योगी एवं विशिष्ट अतिथि उदासीन संगत गेल्हापुर मंदिर महंत वृजानंद को सदर विधायक पल्टूराम, तुलसीपुर के कैलाश नाथ शुक्ल, आरएसएस जिला प्रचारक जितेंद्र, भाजपा जिलाध्यक्ष रवि मिश्रा व निवर्तमान जिलाध्यक्ष प्रदीप सिंह ने अबीर गुलाल का तिलक लगाकर कार्यक्रम का शुभारंभ किया।

कार्यक्रम के आयोजक नगर पालिका अध्यक्ष डॉ धीरेंद्र प्रताप सिंह धीरू ने आए हुए अतिथियों को अंगवस्त्र एवं पुष्पगुच्छ भेंटकर सम्मान किया। होली मिलन समारोह में गोरखपुर से आए भोजपुरी लोक गायकों ने फगुवा गीत एवं वृंदावन से आए कलाकारों ने रासलीला प्रस्तुत कर कार्यक्रम में चार चांद लगा दिया। लोगों ने एक–दूसरे से गले

मिल गिले शिकवे भूलकर होली की शुभकामनाएं दी। समारोह में आए हुए अतिथियों ने कहा कि यह त्योहार एकता एवं भाईचारे का संदेश देता है। इसमें दुश्मन भी गिले शिकवे भूलकर एक हो जाते हैं। ऐसे कार्यक्रमों से सामाजिक समरसता बढ़ती है। कार्यक्रम के दौरान लोगों ने गुझिया व ठंडाई सहित अन्य स्वादिष्ट व्यंजनों का लुत्फ भी उठाया। इस दौरान भाजपा के जिला प्रभारी राहुल राज रस्तोगी, अवध क्षेत्र के सह संयोजक विनय कुमार मिश्र, ब्लाक प्रमुख श्रीदत्तगंज हेमंत जायसवाल, पचपेड़वा के मनोज तिवारी, महिपाल चौधरी, गैसड़ी नगर पंचायत अध्यक्ष प्रिंस वर्मा, पचपेड़वा नपाप अध्यक्ष रवि वर्मा, एमएलके महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. जेपी पांडेय, संस्कार भारती जिलाध्यक्ष देव कुमार मिश्र, ताराचंद्र अग्रवाल, डॉ देवेश चंद्र श्रीवास्तव, अविनाश मिश्रा, डॉ तुलसीश दुबे, संजय शर्मा, सर्वेश सिंह, अम्बरीष शुक्ला, शुभेंद्र मिश्र गौरव, शिवम मिश्रा, संजय शुक्ल, अंकित त्रिपाठी, भाजपा महिला मोर्चा जिलाध्यक्ष ललिता तिवारी, भाजपा नेत्री शेरावाली शुक्ला व समस्त सभासदगण सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

सीतापुर में पत्रकार की हत्या पर बलरामपुर में विरोध, पत्रकारों ने एसडीएम को सौंपा ज्ञापन

संवाददाता–बलरामपुर। सीतापुर में एक प्रतिष्ठित दैनिक अखबार के पत्रकार राघवेंद्र बाजपेयी की हत्या के विरोध में बलरामपुर के पत्रकारों ने सोमवार को प्रशासन को ज्ञापन सौंपा। प्रेस क्लब बलरामपुर के जिला अध्यक्ष अजय श्रीवास्तव के निर्देश पर उतरौला इकाई के पत्रकारों ने एसडीएम राजेंद्र बहादुर और क्षेत्राधिकारी राघवेंद्र प्रताप सिंह को मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन दिया।

तहसील इकाई उतरौला अध्यक्ष राम चरित्र वर्मा और महामंत्री संतोष कुमार श्रवण के नेतृत्व में पत्रकारों ने कई मांगें रखीं। इनमें मृतक पत्रकार के परिवार को सुरक्षा, हत्यारों और साजिशकर्ताओं के खिलाफ कड़ी कार्रवाई शामिल है। साथ ही परिवार को एक करोड़ रुपये की आर्थिक मदद और परिवार के किसी सदस्य को सरकारी नौकरी की मांग की गई।

पत्रकारों ने मृतक की पत्नी को आजीवन पेंशन देने और बच्चों की शिक्षा व विवाह का खर्च सरकार द्वारा वहन करने की मांग भी रखी। उन्होंने पत्रकार सुरक्षा के लिए उच्चस्तरीय समिति के गठन और पत्रकार सुरक्षा कानून बनाने की मांग की।

इस मौके पर सीबी माथुर, रवि गर्गवंशी, शिवम सोनी, सजीश पटेल, अशोक पाल समेत कई पत्रकार मौजूद थे। उपाध्यक्ष विजयपाल वर्मा और जिला महामंत्री शरीफ अंसारी भी कार्यक्रम में शामिल हुए।

मायके भेजने नहीं गया पति तो पत्नी ने विषाक्त पदार्थ खाया

संवाददाता–श्रावस्ती। पति मायके भेजने नहीं गया तो नाराज होकर पत्नी ने विषाक्त पदार्थ खा लिया। इससे उसकी हालत बिगड़ गई और परिजनों ने सीएचसी में भर्ती कराया। हालत गंभीर देखते हुए चिकित्सकों ने जिला अस्पताल रेफर कर दिया। इकौना थाना क्षेत्र के ग्राम नत्था पुरवा निवासी गीता देवी (40) पत्नी जगदीश सोमवार को मायके जाने के लिए तैयार थी और पति से मायके ले चलने को कह रही थी। लेकिन पति जगदीश खेत जाने लगा। इस बात से नाराज होकर गीता देवी पैदल ही मायके जाने लगी। इस पर पति ने उसे रोका तो गीता देवी ने घर में रखा विषाक्त पदार्थ खा लिया। इससे कुछ ही देर में महिला की हालत बिगड़ गई। आनन फानन में परिजनों ने महिला को सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र इकौना में भर्ती कराया। जहां हालत गंभीर देखते हुए चिकित्सकों ने महिला को प्राथमिक उपचार के बाद जिला अस्पताल बहराइच के लिए रेफर कर दिया। पति जगदीश ने बताया कि पत्नी मायके जाने को तैयार थी लेकिन उसे खेत में जरूरी काम था। जैसे ही वह खेत जाने लगा तभी पत्नी ने बाजार से खरीदकर लाई चूहे मारने की दवा खा लिया। इसी तरह सिरसिया थाना क्षेत्र के ग्राम पंचायत जोखवा के मजरा देवरा निवासी सुषमा का सोमवार सुबह पति महेश से किसी बात को लेकर विवाद हो गया। जिससे नाराज होकर सुषमा ने कोई विषाक्त पदार्थ खा लिया। हालत बिगड़ने पर परिजनों ने संयुक्त जिला अस्पताल भिनगा में भर्ती कराया। जहां पर इलाज हो रहा है।

बीडीसी सदस्यों से लिए विकास के प्रस्ताव

संवाददाता–गोण्डा। ब्लाक परिसर में सोमवार को आयोजित क्षेत्र पंचायत की बैठक में बीडीसी सदस्यों से विकास कार्यों के प्रस्ताव लिए गए। बीडीओ विजय कान्त मिश्रा ने बैठक की शुरुआत करते हुए उपस्थित बीडीसी सदस्यों और प्रधानों से किसान पंजीकरण, फैमिली आईडी और प्रधानमंत्री आवास के लिए चल रहे सर्वे में भरपूर सहयोग की अपील की। बीडीओ ने सेल्फ सर्वे करने के तौर तरीके पर विस्तार से प्रकाश डालते हुए पात्रों से खुद सर्वे करने का आग्रह भी किया। सीडीपीओ रमा सिंह ने महिला और बाल विकास विभाग द्वारा संचालित योजनाओ की जानकारी दी। साथ ही जन प्रतिनिधियों से योजनाओं के कार्यान्वयन में सहयोग की गुजारिश की। बैठक में विदेश राज्यमंत्री कीर्तिवर्धन सिंह के प्रतिनिधि कमलेश पाण्डेय भी मौजूद रहे। विधायक मनकापुर के प्रतिनिधि वेद प्रकाश दूबे ने अपने संबोधन में पूर्व मंत्रीधविधायक रमापति शास्त्री के प्रयास से स्वीकृत हुए विकास कार्यों की जानकारी दी।

24 शीशी अवैध नेपाली शराब के साथ एक तस्कर गिरफ्तार

संवाददाता–श्रावस्ती। पुलिस ने अवैध शराब के खिलाफ चल रहे विशेष अभियान में बड़ी सफलता हासिल की है। पुलिस अधीक्षक घनश्याम चौरसिया के निर्देश पर चलाए जा रहे अभियान में थाना सिरसिया पुलिस ने एक आरोपी को गिरफ्तार किया है।

दरअसल थाना प्रभारी राज कुमार सरोज को मुखबिर से सूचना मिली। इस पर पुलिस टीम ने ताल बघौड़ा सिरसिया रोड स्थित ग्राम शंकरपुर के पास कार्रवाई की। वहीं पुलिस टीम ने शंकरपुर निवासी राकेश कुमार को गिरफ्तार किया है। उसके पास से 7.2 लीटर अवैध नेपाली शराब की 24 शीशियां बरामद हुईं।

पुलिस ने आरोपी के खिलाफ आबकारी अधिनियम की धारा 60 के तहत मुकदमा दर्ज किया है। जबकि इस गिरफ्तारी में उप निरीक्षक चंद्रोदय मिश्रा, हेड कांस्टेबल विजय पांडेय और कांस्टेबल दीपेंद्र कुमार की टीम शामिल थी।

जानकारी के मुताबिक भारत–नेपाल सीमा पर रहने वाले कुछ लोग आर्थिक लाभ के लिए नेपाल से शराब की तस्करी करने के फिराक में रहते हैं। ये कटीले और सुनसान रास्तों का इस्तेमाल करते हैं। थोड़ी मात्रा में शराब लाकर आसपास के इलाकों में बेचने की कोशिश भी करते हैं।

हालांकि जिले में अवैध शराब के निर्माण और बिक्री पर रोक के लिए सभी थाना प्रभारियों को कड़ी कार्रवाई के निर्देश दिए गए हैं। वहीं सीमा पर तैनात सुरक्षाकर्मी भी लगातार निगरानी कर रहे हैं। साथी ऐसे तस्करों पर लगातार कार्रवाई भी हो रही।

78 लाख की धोखाधड़ी करने वाला आरोपी गिरफ्तार

संवाददाता–गोण्डा। नगर कोतवाली पुलिस ने जमीन देने के नाम पर 78 लाख रुपए हड़पने वाले आरोपी आकाश अग्रवाल को लखनऊ मार्ग स्थित कचहरी से गिरफ्तार किया है। आरोपी ने पीड़ित अरविंद मिश्रा से जमीन बेचने के नाम पर 78 लाख रुपए हड़प लिए थे। पुलिस के अनुसार आरोपी ने पीड़ित से 48 लाख रुपए नकद, 20 लाख रुपए चेक और 10 लाख रुपए आरटीजीएस के जरिए लिए थे। आकाश ने जमीन की रजिस्ट्री के लिए कागजात तैयार करवाए। उसने पीड़ित से कहा कि वह पैसे घर पर रखकर रजिस्ट्री के लिए आएगा। कई दिनों तक प्रतीक्षा करने के बाद भी आरोपी रजिस्ट्री के लिए नहीं आया। पीड़ित ने आईजी देवीपाटन मंडल से शिकायत की। आईजी के निर्देश पर एसपी ने मामले की जांच कराई। जांच में आरोप सही पाए जाने पर नगर कोतवाली में मुकदमा दर्ज किया गया। बड़गांव चौकी इंचार्ज विपुल कुमार पांडेय और कांस्टेबल संदीप कुमार ने आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। पीड़ित का आरोप है कि आकाश का एक संगठित गिरोह है जो इसी तरह लोगों से पैसे लेकर जमीन नहीं देते। गोंडा जिले में आरोपी के खिलाफ तीन मुकदमे दर्ज हैं।

नैनं छिन्दन्ति शस्त्राणि नैनं दहति पावकः

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

अयोध्या। प्रॉमिनेंट पब्लिक स्कूल समिति की एक बैठक कनीगंज अयोध्या में निदेशक डॉक्टर रानी अवस्थी की अध्यक्षता में हुई जिसमें प्राचार्य संगीता यादव, शिक्षक संदीप ,उषा मिश्रा, अनीता ,पूजा, अंकिता,कल्पना ,खुशी, कांति पांडे, राघवेंद्र अवस्थी प्रबंधक, सचिव सर्वेश अवस्थी सदस्य शिवकुमार मिश्र, डी एन चतुर्वेदी एन के तिवारी आदि उपस्थित हुए। सभी ने अपने श्रद्धा सुमन डॉक्टर रानी अवस्थी के छोटे भाई रमाकांत तिवारी जी को अर्पित किये ।रमाकांत तिवारी सीबीआई एवं ई डी में उपनिदेशक के पदों पर दिल्ली में रहकर ईमानदारी से अपनी सेवाएं देश को समर्पित की तथा रसूखदारों की छुपी हुई संपत्ति एवं कारनामो से सरकार को अवगत कराया ।रमाकांत तिवारी डॉक्टर रानी अवस्थी के छोटे भाई थे और चारों भाई बहनों में सबसे छोटे थे तथा सभी के दुलारे भी थे। डॉक्टर रानी अवस्थी ने कहा कि मेरा उनसे बहुत अधिक लगाव था बचपन में मैं उन्हीं के साथ ज्यादा रहती थी हम लोग साथ–साथ रहकर स्कूल जाते एक ही कॉलेज में पढ़ते थे,एक साथ सोते थे , एक साथ भोजन करते थे। प्रत्येक इंसान का बचपन सबसे सुहावना होता है वैसे ही मेरा भी था। वह सारी बात मुझसे शेयर करते थे। उनका इस तरह इस तरह से जाना बहुत ही दुखद रहा उनकी कमी हमेशा खलती रहेगी। सर्वेश और राघवेंद्र ने कहा कि मामा दीपावली पर खूब पटाखे लाते थे हम सब उनका इंतजार करते थे वे होली भी खूब खेलते थे। डी एन चतुर्वेदी ने कहा कि यद्यपि वह बहुत मिलनसार थे, किंतु बहुत कम बोलते थे। शिव कुमार मिश्रा जी ने कहा हम ज्यादातर ऋषि के पापा के रूप में उन्हें जानते थे। घर पर उनसे मुलाकात होती थी बहुत ही कम शब्दों में अपनी बात रखते थे। इस प्रकार सभी ने श्री रमाकांत तिवारी जी को अपने श्रद्धा सुमन अर्पित किए और विचार रखें। ईश्वर उनकी आत्मा को शांति प्रदान करें और अपने चरणों में स्थान दें।

यूनिवर्सिटी बदलने से नाराज छात्रों का विरोध, विधायक को दिया ज्ञापन

संवाददाता–बलरामपुर। एम.एल.के. पी.जी. कॉलेज के छात्रों ने विश्वविद्यालय परिवर्तन के विरोध में सदर विधायक को ज्ञापन सौंपा है। छात्रों का कहना है कि वे वर्तमान में सिद्धार्थ विश्वविद्यालय, सिद्धार्थनगर से संबद्ध हैं।

स्नातक और परास्नातक द्वितीय सेमेस्टर के छात्रों ने बताया कि उन्होंने प्रथम सेमेस्टर की परीक्षा सिद्धार्थ विश्वविद्यालय से दी हैं। अब नए खुले मां पाटेश्वरी विश्वविद्यालय, बलरामपुर के कुलसचिव ने 10 मार्च 2025 को नोटिस जारी कर द्वितीय सेमेस्टर की परीक्षा अपने यहां कराने का निर्देश दिया है।

छात्रों का कहना है कि उन्हें 30 जनवरी 2025 से सिद्धार्थ विश्वविद्यालय का पाठ्यक्रम पढ़ाया जा रहा है। अचानक पाठ्यक्रम बदलकर डॉ. राम मनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय का पाठ्यक्रम लागू कर दिया गया है। इससे छात्र मानसिक तनाव में हैं।

छात्रों ने विधायक से मांग की है कि उनकी द्वितीय सेमेस्टर की परीक्षा यूजीसी मान्यता प्राप्त सिद्धार्थ विश्वविद्यालय से ही कराई जाए। उनका कहना है कि मां पाटेश्वरी विश्वविद्यालय को अभी यूजीसी की मान्यता नहीं मिली है। ऐसे में विश्वविद्यालय बदलने से उनके भविष्य पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है। छात्रों ने विश्वविद्यालय चुनने का विकल्प देने की भी मांग की है।

भाजपा जिलाध्यक्ष का कायस्थ समाज ने किया स्वागत

संवाददाता–गोण्डा। कायस्थ समाज ने तीसरी बार भाजपा के जिलाध्यक्ष बने अमर किशोर कश्यप का अभिनंदन किया। उन्हों अंगवस्त्र भेंटकर लोगों ने माला पहनाई। जिलाध्यक्ष ने कहा कि कायस्थ समाज के प्रति आभार व्यक्त किया स कार्यक्रम में डॉ अनिल कुमार श्रीवास्तव, दिलीप कुमार श्रीवास्तव, विवेक मणि श्रीवास्तव, दीपक कुमार श्रीवास्तव, अतुल कुमार श्रीवास्तव समेत अन्य लोग रहे।

शिकायत पर डीएम के निर्देश पर सीएमओ संग टीम ने मारा अस्पताल पर छापा

संवाददाता—संतकबीरनगर। एक व्यक्ति ने डीएम से आर्यन हास्पिटल पर फर्जी आपरेशन करने और साढ़े चार लाख रुपये ठगने का आरोप लगाकर शिकायत की थी। डीएम ने इसकी जांच सीएमओ को सौंपी थी। सीएमओ ने सोमवार को आर्यन हास्पिटल पर छापेमारी की। तो अस्पताल बंद कर संचालक फरार हो गया। सीएमओ संचालक पर केस दर्ज कराने की बात कही है।

धमैचा गांव के रहने वाले हरिश्चंद्र ने 12 मार्च को डीएम को दिए प्रार्थना पत्र में बताया कि पत्नी रीना देवी को पेट दर्द की शिकायत थी। 10 फरवरी को बघौली स्थित आर्यन हास्पिटल में बेहतर इलाज के लिए वे अपनी साली अंजनी के कहने पर पहुंचे। वहां डॉक्टर ने जांच के बाद बताया कि रीना देवी की बाईं किडनी में पथरी है।

16 फरवरी को ऑपरेशन किया गया। ऑपरेशन के बाद अस्पताल प्रबंधन ने परिजनों को पथरी दिखाते हुए दावा किया कि मरीज की किडनी से इसे निकाला गया है। इलाज के नाम पर परिजनों से कुल 4.50 लाख रुपये वसूल गए। 24 फरवरी को डिस्चार्ज होने के बाद रीना देवी की तबीयत अचानक बिगड़ने लगी।

उन्हें सीने में झटके, तेज दर्द और हार्ट संबंधी दिक्कतें होने लगीं। जब परिजनों ने दोबारा अस्पताल में संपर्क किया, तो हर बार नई दवाएं देकर उन्हें वापस भेज दिया गया। जब हालत में सुधार नहीं हुआ, तो परिजनों ने दूसरी जगह जांच कराई। रिपोर्ट में खुलासा हुआ कि रीना देवी की किडनी में पहले की तरह ही पथरी मौजूद थी। यानी, ऑपरेशन किया ही नहीं गया, केवल पेट चीरा गया और झूठे दावे किए गए। उन्होंने सीएमओ और डीएम को पत्र देकर अस्पताल पर कार्रवाई की मांग की थी। डीएम के निर्देश पर सोमवार को सीएमओ ने टीम के साथ छापेमारी की तो अस्पताल पर ताला लटक रहा था। डॉ रामानुज कन्नौजिया, सीएमओ ने कहा कि आर्यन हास्पिटल पर छापेमारी की गई है। अस्पताल बंद मिला। अस्पताल संचालक के विरूद्ध केस दर्ज कराने की कार्रवाई की जाएगी। इसके लिए शिकायतकर्ता को बुलाया गया है।

राशनकार्ड से नाम काटने पर भड़के ग्रामीण, डीएम कार्यालय पर किया प्रदर्शन

संवाददाता—संतकबीरनगर। सेमरियावा ब्लॉक में राशनकार्ड से नाम काटने के विरोध में ग्रामीणों ने डीएम कार्यालय पर प्रदर्शन किया। ग्राम प्रधान शेषनाथ यादव के नेतृत्व में सैकड़ों ग्रामीणों ने जिलाधिकारी को पत्र सौंपकर जांच की मांग की। चंगेरा मंगेरा गांव में दिसंबर 2024 से मार्च 2025 के बीच लगभग 50 राशनकार्ड पूरी तरह निरस्त कर दिए गए। इसके अलावा 833 कार्डधारकों के राशन यूनिट में कटौती की गई। ग्रामीणों का आरोप है कि बिना किसी जांच—पड़ताल के यह कार्रवाई की गई।

जब कार्डधारकों ने सप्लाई इंस्पेक्टर और जिला पूर्ति अधिकारी से संपर्क किया, तो उन्हें आयकर दाता बताकर टाल दिया गया। इस कार्रवाई में कई विकलांग, विधवा और भूमिहीन लोगों के राशनकार्ड भी रद्द कर दिए गए। ग्रामीणों ने कोटेदार महेंद्र पर भी गंभीर आरोप लगाए हैं। उनका कहना है कि अंत्योदय कार्डधारकों से प्रति कार्ड 3 किलो और पात्र गृहस्थी कार्डधारकों से 500 ग्राम अनाज अतिरिक्त काटा जा रहा है। विरोध करने पर कोटेदार का कहना है कि वह जिला खाद्य विभाग के अधिकारियों को कमीशन देता है।

ग्रामीणों ने जिलाधिकारी से रद्द किए गए राशनकार्डों को बहाल करने और दोषियों के खिलाफ जांच टीम गठित करने की मांग की है।

कलश यात्रा के साथ बेलहसा गांव में विष्णु महायज्ञ शुरू

संवाददाता—सिद्धार्थनगर। । क्षेत्र के बेलहसा पाली गांव में स्थित कारेश्वर नाथ मंदिर पर सात दिवसीय विष्णु महायज्ञ को लेकर सोमवार को गाजे बाजे के साथ कलश यात्रा निकाली गई। इसमें गांव समेत आसपास के गांवों के श्रद्धालुओं ने भाग लिया। कलश यात्रा यज्ञ मंडप से प्रारम्भ होकर विभिन्न रास्तों से होकर बूढ़ी राप्ती नदी के इमलिया खादर घाट पर पहुंची, जहां वैदिक मंत्रोच्चार के बीच विधि विधान से कलश में जल भरा गया। इसके बाद कलश को यज्ञ मंडप पर लाकर स्थापित किया गया। इस दौरान वैदिक मंत्रों व गगनभेदी जयकारों से पूरा वातावरण भक्तिमय हो गया। यज्ञाचार्य श्यामा चरण मिश्र ने बताया कि 17 मार्च से शुरू होने वाला विष्णु महायज्ञ 23 मार्च तक चलेगा। पूर्णाहुति के दिन यज्ञ परिसर में भंडारा भी होगा। सात दिनों के इस यज्ञ में विभिन्न कथा वाचक श्रद्धालुओं को कथा का रसपान कराएंगे। साथ ही रामलीला कमेटी के कलाकार रामलीला का भी मंचन करेंगे। आयोजन को लेकर यज्ञ मंडप सज कर तैयार है। कलश यात्रा में जगदीश कुंवर यादव, अमरेन्द्र यादव, राम नरेश यादव, रमेश, सहजराम, अजय, योगेन्द्र श्रीवास्तव, अवधेश मिश्र, पारस यादव, लक्ष्मण गौतम, राकेश, श्याम सुन्दर, राम कृपाल चौधरी, परमेश्वर आदि मौजूद रहे।

वार्षिकोत्सव में सांस्कृतिक कार्यक्रमों की धूमः छात्रों ने दिया संदेश

—भारतीय बस्ती संवाददाता— बनकटी (बस्ती)। विकास खण्ड बनकटी के महादेवा पगारखास में स्थापित श्री राम जानकी कन्या इंटर कॉलेज व एफ.एस.जी.डी कॉन्वेंट स्कूल के प्रबंधक रघुनाथ सिंह के नेतृत्व में वार्षिकोत्सव समारोह का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि मंडलायुक्त अखिलेश सिंह, महेश शुक्ला, नगर पंचायत अध्यक्ष प्रतिनिधि ई0 अरविन्द पाल, प्रमुख प्रतिनिधि रघुनाथ सिंह ने मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया।

कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए मंडलायुक्त ने कहा कि परिवारों के बढ़ने के साथ—साथ उनकी युवा पीढ़ी को संस्कारिक एवं सकारात्मक मार्ग दर्शन की आवश्यकता है। कार्यक्रमो में छात्रों को अपनी प्रतिभा दिखाने, मंच के भय को दूर करने, आत्मविश्वास प्राप्त करने और सहयोग करने के साथ सीखने की अनुमति देता है। वास्तव में विद्यालय के वार्षिकोत्सव का उद्देश्य मनोरंजन ही नहीं बल्कि सभी छात्र—छात्राओं की रूचियों और प्रगति का विकास होता है। ऐसे कार्यक्रमो से विद्यार्थियों में नए उत्साह और प्रेरणा की अनुभूति होती है। और ऐसे कार्यक्रम ग्रामीण क्षेत्रों में बहुत कम देखने को मिलते हैं।

विद्यालय के प्रबंधक व प्रमुख प्रतिनिधि रघुनाथ सिंह ने कहा कि अच्छी शिक्षा एवं संस्कार ही जीवन को एक नया रूप देते हैं। हमें समाज को शिक्षित एवं संस्कारित बनाने के

—वार्षिकोत्सव मनोरंजन नहीं, एक अवसर— मण्डलायुक्त

लिए निरंतर प्रयासरत रहना चाहिए। इस वार्षिकोत्सव के अवसर पर विशेष रूचि तथा कलात्मक प्रतिभा रखने वालों को भी अपनी कलाएं और रूचियां प्रदर्शित करने का अवसर प्राप्त होता है। इस बहाने बच्चों के अभिभावक भी विद्यालय आकर बच्चों की प्रगति देख सकते हैं।

इस दौरान विद्यालय के नन्हे मुन्ह बच्चों ने रंगारंग कार्यक्रम जैसे स्वागत गीत, आज है संडे, फार्दस थीम, मर्दस थीम,सरस्वती वंदना,क्लीन इंडिया,सीता हरण, फोन एजुकेशन, कक्लीन डांस,शगुन दीदी, एजुकेशन थीम, हनुमान चालीसा,फनी डांस, छोटा बच्चा डांस आदि कार्यक्रम की लोगों ने खूब प्रसंशा कर आनंद लिया।

विद्यालय परिसर में मनाए गए इस वार्षिकोत्सव पर सभी लोगों का रघुनाथ सिंह, रामायण सिंह, प्रीति सिंह राठौर,विशाल सिंह,व एम.जे. एस परिवार के तरफ से पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया ।

समारोह मे आये विशिष्ट अतिथि मेवाती देवी,विवेकानंद शुक्ला, जादीश शुक्ला,रराधेश्याम पाण्डेय, मनु मोहन तिवारी,ओम प्रकाश सिंह, अश्वनी उपाध्याय, ब्रम्हानंद शुक्ला सुरेंद्रनाथ तिवारी आदि लोगों ने विचार व्यक्त किये ।

इस दौरान कार्यवाहक प्रबंधक रामायण सिंह, प्रधानाचार्य प्रीति सिंह राठौड़ और विशाल सिंह ने छात्रों के उज्जवल भविष्य की कामना करते हुए उन्हें आर्शीवाद दिया।

इस अवसर पर रविचन्द पाण्डेय, राजेन्द्र चौधरी, बब्लू दुबे, रणजीत उपाध्याय,शरद शर्मा, अनवर हुसैन, अभिषेक, जगदम्बा शुक्ला, सुनील पाण्डेय, रमेश अग्रहरि,वीरेंद्र, भूपेश, गंगेश, शशि धीरज, गीता, सरोजिनी, आशा, नीत, सारिका,ददन उपाध्याय,आस्था,व समस्त विद्यालय परिवार मौजूद रहा ।

चेयरमैन ने लिया जायजा, दिए जरूरी दिशा निर्देश

संवाददाता—सिद्धार्थनगर। बढ़नीचाफा कस्बे के गहिरौला स्थित बलुआ समय माता स्थान पर हिन्दू नव वर्ष के उपलक्ष्य में 30 मार्च को दीपोत्सव कार्यक्रम का आयोजन होना है। सोमवार को चेयरमैन धर्मराज वर्मा ने नगर प्रशासन की टीम के साथ कार्यक्रम स्थल का जायजा लिया और जिम्मेदारों को जरूरी दिशा निर्देश दिया। उन्होंने बताया कि 30 मार्च को हिन्दू नववर्ष के उपलक्ष्य में धर्मरक्षा मंच की ओर से बलुआ समय माता स्थान पर 21 हजार दीए जलाकर दीपोत्सव मनाया जाएगा। साथ ही जागरण कार्यक्रम व भंडारा का भी आयोजन होना है। इस दौरान मंटू पाण्डेय, संतोष पासवान, गुलाब चन्द्र, प्रमोद गौतम, विकास चौहान, वीरेंद्र दुबे, सुनील यादव, बसंत गुप्त आदि मौजूद रहे।

कहीं बूंदाबांदी तो कहीं तेज बारिश संग गिरे ओले

संवाददाता—गोरखपुर। पूर्वी यूपी में सोमवार को मौसम का बदला रंग दिखा। नेपाल की तरफ से आए काले घने बादलों के कारण मौसम का मिजाज बदल गया। सोमवार की सुबह से ठंडी हवाएं चलीं। कहीं बूंदाबांदी हुई तो तेज बारिश के साथ कहीं ओले गिरे। इससे महानगरवासियों को मार्च की गर्मी से निजात मिली। मौसम सुहाना हो गया। ग्रामीण इलाकों में मौसम के अलग—अलग रंग देखने को मिले। मौसम के बदले मिजाज से किसानों की चिंता बढ़ गई है। बारिश और ओले से सरसों और गेहूं की फसल को नुकसान होगा। पूर्वी यूपी में मार्च के महीने में मई जैसी गर्मी पड़ रही है। बीते दो दिनों से अधिकतम तापमान सामान्य से 5 से 6 डिग्री सेल्सियस अधिक बना हुआ है। पश्चिमी विक्षोभ की सक्रियता के कारण पूर्वी यूपी में सोमवार को काले घने बादल छा गए। नेपाल की तरफ से आए बादलों के कारण सुबह 8ः30 से तेज हवाएं चलीं। गरज—चमक के साथ कई जगहों पर छीटे पड़े। शहर में मोहद्दीपुर, इंजीनियरिंग कॉलेज, पादरी बाजार क्षेत्र में ओले भी गिरे। मौसम विशेषज्ञों के मुताबिक इस मौसम में बदलाव के कारण अगले दो दिन तक दिन और रात के तापमान में गिरावट होगी। लोगों को गर्मी से राहत मिलेगी।

होली मिलन समारोहः कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने गंगा—जमुनी तहजीब की याद में एक—दूसरे को लगाया गले

संवाददाता—सिद्धार्थनगर। जिला कांग्रेस कार्यालय में सोमवार को होली मिलन समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता निवर्तमान जिला अध्यक्ष काजी सुहेल अहमद ने की। कार्यक्रम का संचालन निवर्तमान जिला उपाध्यक्ष अनिल सिंह अन्नू बाबू ने किया।

काजी सुहेल अहमद ने कहा कि गंगा—जमुनी तहजीब की नींव पर देश के वीर जवानों ने आजादी दिलाई। उन्होंने कहा कि इस नफरत के दौर में देश के लोगों ने होली के मौके पर सौहार्द का परिचय दिया है। देवेंद्र कुमार गुड्डू और अनिल सिंह अन्नू ने कहा कि आज देश में जाति—धर्म के नाम पर सत्ता हथियाने का प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने प्रदेश और देश में शांतिपूर्ण होली मनाने के लिए जनता का अभिनंदन किया।

सतीश चंद्र त्रिपाठी, रंजना मिश्रा और कृष्णा बहादुर सिंह ने कहा कि जिस गंगा—जमुनी तहजीब की नींव कांग्रेस ने रखी थी, आज देश को उसी की जरूरत है। उन्होंने कहा कि इसी की बदौलत आज हम अमन—चैन से हैं। कार्यक्रम में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने एक—दूसरे को रंग—गुलाल लगाया और मिठाइयां बांटी। सभी ने शांतिपूर्ण होली मनाने के लिए देश की जनता की सराहना की।

राम जन्मभूमि परिसर में प्रेक्षागृह का निर्माण शुरू, 50 करोड़ से बनेगा

संवाददाता—अयोध्या। राम जन्मभूमि परिसर में प्रस्तावित प्रेक्षागृह, अतिथि गृह व श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र के कार्यालय के निर्माण का काम शुरू कर दिया गया है। निर्माण कार्य के चलते राममंदिर का गेट नंबर 11 बंद कर दिया गया है। राम जन्मभूमि परिसर में प्रस्तावित प्रेक्षागृह का निर्माण 50 करोड़ की लागत से होगा। प्रेक्षागृह, अतिथि गृह व कार्यालय का निर्माण दिसंबर 2025 तक पूरा हो जाएगा।

राममंदिर ट्रस्ट की ओर से यूपी राजकीय निर्माण निगम को 200 करोड़ का काम दिया गया है। जिसमें प्रेक्षागृह, अतिथि गृह, ट्रस्ट कार्यालय व राममंदिर के तीन द्वार के निर्माण का काम शामिल है। राममंदिर का एक द्वार बिड़ला धर्मशाला के सामने बन चुका है। जबकि गेट नंबर 11 व उत्तर दिशा के द्वार का निर्माण चल रहा है।

प्रेक्षागृह, अतिथि गृह व कार्यालय निर्माण के लिए नींव उत्खनन की प्रक्रिया चल रही है। बताया गया कि पांच सौ दर्शकों की क्षमता वाले प्रेक्षागृह की डिजाइन मल्टीप्लेक्स जैसी है। इसमें भूतल के अलावा तीन तल बनाए जाएंगे जिसमें तीर्थ क्षेत्र का कार्यालय भी सम्मिलित रहेगा। मल्टीप्लेक्स प्रेक्षागृह (आडीटोरियम) का कुल क्षेत्रफल साढ़े दस हजार वर्ग मीटर प्रस्तावित है। जिसमें भूतल का क्षेत्रफल साढ़े चार हजार वर्ग मीटर होगा। दो मंजिला अतिथि गृह का कुल क्षेत्रफल तीन हजार वर्ग मीटर से अधिक है। बताया गया कि इसमें 11 फोर बेडरूम के अलावा पांच आफिस एक सभाकक्ष एवं रिसेप्शन के अतिरिक्त डायनिंग हाल भी रहेगा। इसके अलावा सीटिंग लाबी का भी निर्माण कराया जाएगा।

दूसरी बार भाजपा जिलाध्यक्ष बने विवेकानंद मिश्र, समर्थकों ने बांटी मिठाइयां

—भारतीय बस्ती संवाददाता— बनकटी (बस्ती)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) शीर्ष नेतृत्व ने एक बार फिर विवेकानंद मिश्र पर भरोसा जताते हुए उन्हें दूसरी बार जिलाध्यक्ष पद की कमान सौंपी है। दोबारा जिलाध्यक्ष की जिम्मेदारी मिलने पर जिले में भाजपाइयों ने जगह जगह अबीर गुलाल उड़ाकर खुशियां मनाई ।

बनकटी मंडल अध्यक्ष अंकित पांडेय के नेतृत्व में भाजपाइयों ने बनकटी व देईसांड़ आदि कस्बों में अबीर गुलाल उड़ाकर खुशियां मनाई और एक दूसरे का मुंह मीठा कराया तथा मिठाईयां बांटी । मण्डल अध्यक्ष ने कहा कि वर्षों के संगठनात्मक अनुभव व समर्पण तथा नेतृत्व क्षमता को देखते हुए पार्टी के शीर्ष नेतृत्व ने यह पुनः जिम्मेदारी का निर्णय लिया । वहीं वरिष्ठ भाजपा नेता ई. अरविंद पाल ने कहा कि विभिन्न कार्यक्रमों, अभियानों और आंदोलनों को सफलतापूर्वक संपन्न कराते हुए उन्होंने कार्यकर्ताओं में उत्साह बनाए रखा और एक सफल युवा जिलाध्यक्ष बनकर उभरे हैं । इस अवसर पर पूर्व मण्डल अध्यक्ष विवेकानंद मिश्र,किसान मोर्चा के जिलाध्यक्ष उपाध्यक्ष रविचंद्र पाण्डेय,लाल सिंह,अतुल पाल,अजय अग्रहरी,गिरजेश पाल,बाबूराम चौधरी ,हरीशचंद्र चौधरी,सुरेंद्र चौधरी , जनार्दन शुक्ला , संजय त्रिपाठी , पप्पू चौधरी , कृष्णचंद्र मिश्रा , राधेरमण सिंह,अमित अग्रहरी,अरूण शुक्ला , सुबाष शर्मा आदि मौजूद रहे ।

सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मेरा माध्यमिक शिक्षा परिषद उत्तर प्रदेश (यूपी बोर्ड) हाईस्कूल वर्ष 2019 अनुक्रमांक **2857434** तथा इंटरमीडिएट वर्ष **2021** अनुक्रमांक **217273228** का मूल अंकपत्र व प्रमाणपत्र (सनद) वास्तव में खो गया है।

सतीश कुमार निषाद
पुत्र श्री घनश्याम निषाद
ग्राम— माझा पोस्ट— गढ़ागौतम
जिला बस्ती

अदालती नोटिस

वाद के निपटारे के लिये सम्मन (आदेश 5 के नियम 1 और 5 व्या0प्र0 संहिता 1908)
मूलवाद संख्या 148 / 2023
न्यायवाद— श्रीमान सिविल जज (जू0डि0) स्थान—नौगढ़ जिला—सिद्धार्थनगर

दिनेश सिंह
बनाम
अभिषेक सिंह आदि

1. अभिषेक सिंह पुत्र रमेश कुमार सिंह निवासी ग्राम केसारी पोस्ट एकडेगवा तप्पा नेतवर परगना विनायकपुर तहसील नौगढ़ जिला सिद्धार्थनगर —प्रतिवादी प्रथम पक्ष
2. श्रीमती चन्द्रावती देवी पत्नी स्व0 दयाशंकर सिंह निवासी ग्राम केसारी पोस्ट एकडेगवा तप्पा नेतवर परगना विनायकपुर तहसील नौगढ़ जिला सिद्धार्थनगर —प्रतिवादिनी द्वितीय पक्ष

तारीख पेशी 27—03—2025

प्रतिवादी ने आपके विरूद्ध के लिये वाद संस्थित किया है। आपको इस न्यायालय में दिनांक **27—03—2025** को दिन में 10 बजे वाद का उत्तर देने के लिये उपसंजात (हाजिर) होने के लिये समन किया जाता है। आप न्यायालय में स्वयं या किसी ऐसे अधिवक्ता प्लीडर द्वारा उप संजात हो सकते हैं। जिसे सम्यक अनुदेश दिये गये हों और जो बात से सम्बंधित सभी सारवान प्रश्नों का उत्तर दे सके या जिसके साथ कोई ऐसा कोई व्यक्ति हो जो ऐसे सब प्रश्नों का उत्तर दे सके न्यायालय में आपके उप संजात के लिये जो दिन नियत किया गया है वह इस वाद के अन्तिम निपटारे के लिये नियत दिन है। इसलिये आपको उस दिन अपने उन सब साक्षियों को या उन सब दस्तावेजों को पेश करने के लिये तैयार रहना चाहिये जिन पर आप अपनी प्रतिरक्षा के लिये निर्भर रहना चाहते हैं।

आपको सूचित किया जाता है कि यदि अगर ऊपर बतायी गयी तारीख को इस न्यायालय में उपसंजात नहीं होंगे तो वाद की सुनवाई और उसका निपटारा आपकी अनुपस्थिति में किया जायेगा।

यह आज तारीख को मेरे हस्ताक्षर और न्यायालय की मुद्रा लगाकर दिया गया है।

न्यायाधीश

अदालती नोटिस

सम्मन बरगज इनफिसाल मुकदमा (आर्डर 5 कायदा 1 व 5 मजमुआ जाप्ता 200 ई0)
वाद सं0—
अदालत— श्रीमान उप जिलाधिकारी महोदय मेंहदावल जिला संतकबीरनगर

राम प्रसाद
बनाम
त्रिलोकीनाथ आदि

1. त्रिलोकीनाथ 2. रामदेव पुत्रगण रामदुलारे 3. रामसनेही पुत्र रामनरेश 4. श्रीमती कमनी पत्नी रामनरेश 5. राम अवतार पुत्र रामनरेश 6. राधेश्याम पुत्र कन्हई 7. नन्दू पुत्र बंशी 9. सुमिरन पुत्र मानिक 9. रामरतन पुत्र दूबर निवासीगण मौजा व पो0 भैसामाफी तप्पा व तहसील मेंहदावल परगना मगहर पूरब जिला संतकबीर नगर
—प्रतिवादीगण प्रथम वर्ग
10. श्रीमती शकुन्तला देवी पत्नी कृपा निधान ग्राम सुदरहिया पो0 परसा झकरिया तहसील खलीलाबाद जिला संतकबीरनगर
11. श्रीमती उर्मिला पत्नी पांचू निवासी ग्राम सुअरहवा पो0 मेंहदावल तप्पा व तहसील मेंहदावल जिला संतकबीर नगर
—प्रतिवादीगण द्वितीय वर्ग
12. ग्राम पंचायत अध्यक्ष जरिए ग्राम प्रधान भैसामाफी तप्पा व तहसील मेंहदावल परगना मगहर पूरब जिला संतकबीर नगर
—प्रतिवादी तृतीय वर्ग

तारीख पेशी 28—03—2025

वाजेह हो कि ने आपके नाम एक नालिस बाबत दायर की है। लिहाजा आपको हुक्म होता है कि आप बतारीख 28 माह 03 सन 2025 ई0 बवक्त 10 बजे दिन बमुकाम असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमे के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाव दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके हाजिरी के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तदलाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन बरगज इनफिसाल मुकदमा (आर्डर 5 कायदा 1 व 5 मजमुआ जाप्ता 200 ई0)
वाद सं0—1301 / 2025
कं0वाद सं0—T202517650301301
धारा 116 उ0प्र0रा0सं0—2006
अदालत— श्रीमान उप जिलाधिकारी महोदय मेंहदावल जिला संतकबीरनगर

कपिल आदि
बनाम
राम सुरेश आदि

1. राम सुरेश पुत्र श्यामलाल 2. राजमन 3. कोमल प्रसाद पुत्रगण रामलाल निवासी साकिन मुड़िला कला तप्पा बेलहर परगना बांसी पूरब तहसील मेंहदावल जिला—संतकबीर नगर
—प्रतिवादीगण प्रथम वर्ग
4. अध्यक्ष ग्राम पंचायत ग्राम मुड़िला कला तप्पा बेलहर परगना बांसी पूरब तहसील मेंहदावल जिला—संतकबीर नगर
—प्रतिवादी द्वितीय वर्ग

तारीख पेशी 09—05—2025

वाजेह हो कि ने आपके नाम एक नालिस बाबत दायर की है। लिहाजा आपको हुक्म होता है कि आप बतारीख 09 माह 05 सन 2025 ई0 बवक्त 10 बजे दिन बमुकाम असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमे के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाव दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके हाजिरी के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तदलाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन बरगज इनफिसाल मुकदमा (आर्डर 5 कायदा 1 व 5 मजमुआ जाप्ता 200 ई0)
वाद सं0—
धारा 116 उ0प्र0रा0सं0—2006
अदालत— श्रीमान उप जिलाधिकारी महोदय मेंहदावल जिला संतकबीरनगर

प्रमात्मा प्रसाद आदि
बनाम
पारसनाथ आदि

1. पारसनाथ पुत्र अयोध्या 2. हंसराम 3. बुधिराम 4. मुनिराम पुत्रगण अयोध्या 5. हीरालाल 6. राम सूरज पुत्रगण रामनरेश 7. मु0 चिरैता देवी पत्नी राम नरेश 8. हरिशंकर पुत्र विश्वनाथ 9. परशुराम पुत्र अयोध्या 10. जवाहर लाल पुत्र रामनरेश 11. मोहन पुत्र विश्वनाथ साकिनान मौजा भिटिया तप्पा गोसियारी परगना मगहर पश्चिम तहसील मेंहदावल जिला संतकबीरनगर
—प्रतिवादीगण प्रथम वर्ग
12. ग्राम पंचायत अध्यक्ष जरिए ग्राम प्रधान भिटिया तप्पा गोसियारी परगना मगहर पश्चिम तहसील मेंहदावल जिला संतकबीरनगर
—प्रतिवादी द्वितीय वर्ग

तारीख पेशी 21—03—2025

वाजेह हो कि ने आपके नाम एक नालिस बाबत दायर की है। लिहाजा आपको हुक्म होता है कि आप बतारीख 21 माह 03 सन 2025 ई0 बवक्त 10 बजे दिन बमुकाम असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमे के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाव दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके हाजिरी के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तदलाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख 17 माह 01 सन 2025 ई0 जारी किया गया।

द0 हाकिम

प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना का फायदा के तहत दो परिवारों को मिली 2—2 लाख रुपए

संवाददाता—सिद्धार्थनगर। स्टेट बैंक ऑफ इंडिया की तेलौरा शाखा में प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना के तहत दो परिवारों को राहत मिली है। मृतक रमेश चंद्र और रेनु देवी के परिवार को बीमा क्लेम के रूप में 2—2 लाख रुपए मिले हैं। शाखा प्रबंधक नुपुर रॉय ने बताया कि ग्रामीण क्षेत्रों में बैंक और वित्तीय साक्षरता केंद्र के माध्यम से जागरूकता कैंप लगाए जा रहे हैं। इन कैंप में लोगों को बीमा और बैंकिंग सुविधाओं की जानकारी दी जाती है। सामाजिक सुरक्षा योजना के तहत बैंक बहुत कम प्रीमियम पर यह बीमा सुविधा प्रदान करता है। शाखा प्रबंधक ने लोगों से अपील की है कि वे इस बीमा योजना का लाभ जरूर उठाएं। इस मौके पर आरोह फाउंडेशन के वित्तीय सलाहकार अनूप पांडेय और बीमा धारकों के परिजन भी मौजूद रहे।

दैनिक भारतीय बस्ती

संस्थापक सम्पादक स्व. दिनेश चन्द्र पाण्डेय
स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक प्रदीप चन्द्र पाण्डेय द्वारा दर्पण प्रिन्टिंग प्रेस वि0. नया हाल 1—4 A लोहिया काम्पलेक्स जिला पंचायत भवन गांधीनगर बस्ती (उ.प्र.) से मुद्रित एवं प्रकाशित।

प्रबन्ध सम्पादक—**दिनेश सिंह**
संयुक्त सम्पादक—**प्रदीप चन्द्र पाण्डेय**
अयोध्या—फैजाबाद कार्यालय— चतुर्भुजी मंदिर परिसर लक्ष्मण घाट अयोध्या—फैजाबाद
लखनऊ कार्यालय— आशियाना चौराहा, एल.डी.ए. कालोनी, सेक्टर एच. कानपुर रोड लखनऊ।
गोरखपुर कार्यालय— इलाहीबाग गोरखपुर।
मो09450567450 9336715406,
ई.मेलbhartiyabasti@yahoo.com
bhartiyabasti@gmail.com